दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik
asliazadidainikofficial
# असली आज़ादी
The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005
www.asliazadi.com
■ वर्ष: 20, अंक: 301 ■ दमण, रविवार 24 अगस्त 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

# केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता दमण के विकास से हुए प्रभावित : पीएम मोदी और प्रशासक प्रफुल पटेल को दिया श्रेय

**■ केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने दमण में इंजीनियरिंग कॉलेज, एवियरी, निर्माणाधीन मरवड अस्पताल एवं एयरपोर्ट टर्मिनल, रामसेतु, सोमनाथ-रिंगणवाडा ग्राम पंचायत घर सहित का किया दौरा**

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 23 अगस्त। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर है। आज उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने अपनी धर्मपत्नी बिन्दी गुप्ता के साथ दमण की विभिन्न परियोजनाओं का भ्रमण किया। सबसे पहले उन्होंने जंपोर स्थित एवियरी पहुंचकर विदेशी और दुर्लभ पक्षियों को देखा। इसके बाद उन्होंने जंपोर बिच और रामसेतु का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने सिलवन दीदी स्टॉल पर पहुंचकर आत्मनिर्भर महिला से संवाद भी किया। इस अवसर पर उन्होंने जाना की किस प्रकार से महिला आत्मनिर्भर अभियान, आर्थिक सशक्तिकरण और आयवृद्धि में पर्यटन विकास सहायक सिद्ध हो रहा है। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने शिक्षा निदेशालय का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने विद्या समीक्षा केंद्र का अवलोकन किया और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात उपराज्यपाल ने मरवड़ अस्पताल स्थल का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में चल रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। अपने कार्यक्रम के अंतर्गत उन्होंने मोटी दमण किला, निर्माणाधीन एयरपोर्ट टर्मिनल, दमण इंजीनियरिंग कॉलेज तथा निफ्ट कॉलेज का भ्रमण किया। निफ्ट कॉलेज में उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। इसके पश्चात उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता सोमनाथ-रिंगणवाडा पंचायत घर पहुँचे, जहाँ उन्होंने स्वयं सहायता समूह (SHG) की महिलाओं तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों से भेंट की और उनके कार्यों की सराहना की। अपने दौरे के दौरान उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्रों में तीव्र गति से प्रगति हो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान और प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व को प्रदेश के सर्वांगीण विकास का आधार बताया।

COMBAT READY CREDIBLE COHESIVE AND FUTURE READY FORCE

Safeguarding National Maritime Interests - Anytime - Anywhere - Anyhow

JOIN AS SHORT SERVICE COMMISSION OFFICERS FOR VARIOUS ENTRIES
COURSE COMMENCING - JUNE 2026 (AT 26)

Online applications are invited from unmarried men & women candidates for grant of Short Service Commission in Executive, Education and Technical Branches at Indian Naval Academy (INA), Ezhimala, Kerala.

| Branch/Cadre | Vacancies* | Gender |
|---|---|---|
| Executive Branch {GS (X) / Hydro Cadre} | 57 (including 05 Hydro) | Men and Women (maximum of 06 Vacancies in GS (X) and 02 Vacancy in Hydro, for women) |
| Pilot | 24 | Men and Women (maximum of 03 vacancies for women) |
| Naval Air Operations Officer (Observers) | 20 | Men and Women (maximum of 03 vacancies for women) |
| Air Traffic Controller (ATC) | 20 | Men and Women |
| Logistics | 10 | Men and Women (maximum of 01 vacancy for women) |
| Naval Armament Inspectorate Cadre (NAIC) | 20 | Men and Women |
| Law | 02 | Men and Women |
| Education | 15 | Men and Women |
| Engineering Branch {General Service (GS)} | 36 | Men and Women (maximum of 05 vacancies for women) |
| Electrical Branch {General Service (GS)} | 40 | Men and Women (maximum of 06 vacancies for women) |
| Naval Constructor | 16 | Men and Women |
| **Total** | **260** | |

*These vacancies are tentative and may be changed depending on availability to training slots.

DATE OF OPENING - 09 AUG 2025 / LAST DATE FOR ONLINE APPLICATION - 01 SEP 2025

For eligibility criteria and details visit www.joinindiannavy.gov.in

Employment News Dated 16th August 2025

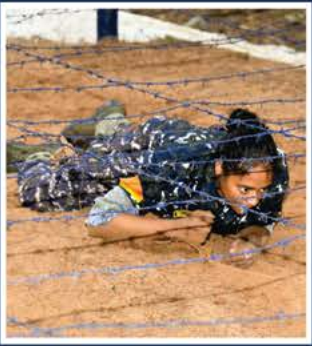

Scan this QR Code to Apply Online

CBC 10701/13/0012/2526

## कोल्हापुर में दो गुटों के टकराव में 10 लोग घायल

कोल्हापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में दो गुटों के टकराव में 10 लोग घायल हुए है। यह घटना सिद्धार्थनगर इलाके में हुई। इस घटना में कई लोग घायल हो गए। यह घटना तब हुई जब राजेबगस्वर फुटबॉल क्लब की 31वीं सालगिरह मनाने के लिए आयोजन हुआ था। इसके लिए बैनर, पोस्टर्स और साउंड सिस्टम लगाए गए थे। इन चीजों ने स्थानीय लोगों में गुस्सा भर दिया। लोगों का आरोप था कि इन चीजों से परेशानी हो रही है। जब स्थानीय लोगों ने आयोजन का विरोध किया, तब झगड़ा बढ़ गया। रात 10 बजे तक, दोनों तरफ से भारी संख्या में पथराव हुआ। दो कारों को आग लगा दी गई, जबकि ऑटो और खड़ी कारों सहित लगभग आठ से नौ वाहनों में तोड़फोड़ की गई। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि पत्थरों से गाड़ियों के शीशे टूट गए थे और मलबा अंदर बिखरा हुआ था। हंगामे के दौरान सड़क किनारे का पार्किंग क्षेत्र पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया। अधिकारियों ने बताया कि यह झड़प दोनों समूहों के बीच एक गलतफहमी का परिणाम थी। एसपी कोल्हापुर ने लोगों से शांत रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि अफवाहों पर ध्यान न दें। हालात ठीक हैं। यह घटना अचानक हुई। उन्होंने दोनों समूहों के नेताओं ने भी अनुरोध किया है कि ऐसा कोई संदेश न फैलाया जाए। मैं उन सभी से अनुरोध करता हूं कि वे अफवाहों से प्रभावित न हों। फिलहाल मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

## जम्मू-कश्मीर सरकार ने जमात-ए-इस्लामी से जुड़े 215 स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथों में लिया

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी से जुड़े 215 स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथों में लिया है। उमर अब्बदुला सरकार ने कहा कि यह निर्णय हज़ारों छात्रों की शिक्षा की सुरक्षा के लिए लिया है, क्योंकि 2019 में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जमात पर प्रतिबंध लगाने के बाद स्कूल प्रबंधन समितियों के अभाव में इन स्कूलों का पंजीकरण रद्द हो रहा था। उमर सरकार द्वारा जारी एक आदेश में ज़िला मजिस्ट्रेटों को इन स्कूलों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने के लिए अधिकृत किया गया है। कश्मीर की शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि हज़ारों छात्रों की शिक्षा की सुरक्षा के लिए ऐसा किया है। मैंने इन स्कूलों का प्रबंधन करीबी सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा करने की मंज़ूरी दे दी है। अधिकारियों ने बताया कि जमात पर प्रतिबंध के बाद करीब 300 स्कूल जाँच के दायरे में हैं। खुफिया एजेंसियों की जाँच के आधार पर, 50 स्कूलों को क्लीन चिट दे दी गई है। हालाँकि, 215 स्कूलों की प्रबंधन समितियों के खिलाफ प्रतिकूल रिपोर्ट मिली हैं।

## लॉरेंस के करीबी गैंगस्टर मयंक को अजरबैजान से प्रत्यर्पित कर देश लाई पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत का गैंगस्टर मयंक सिंह, जिस पर 50 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं, अजरबैजान से भारत प्रत्यर्पित किया गया है। झारखंड पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने गैंगस्टर मयंक को अजरबैजान के बाकू से वापस लाया है। मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा पर झारखंड, राजस्थान, पंजाब और अन्य राज्यों में 50 से ज़्यादा मामले दर्ज हैं। एटीएस एसपी ऋषव कुमार झा के अनुसार, यह झारखंड पुलिस के इतिहास में पहला सफल प्रत्यर्पण है। आपराधिक गतिविधियों के कारण मयंक भारत से भाग गया था, लेकिन वह व्यापारियों को धमकाने और जबरन वसूली का धंधा चलाता रहा। इसकारण हमारी जांच एजेंसियों के एक्शन के बाद इंटरपोल की रेड कॉर्नर नोटिस सूची में डाल दिया गया था और अक्टूबर 2024 में मंयक को अजरबैजान में गिरफ्तार किया गया। पुलिस का मानना है कि मयंक के गैंगस्टर अमन साहू से करीबी संबंध हैं और वह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के साथ भी जुड़ा रहा है। इन संबंधों की वजह से गिरोहों को अलग-अलग राज्यों में अपने अभियानों को चलाने में मदद मिलती थी। पुलिस ने 2024 में अमन साहू गिरोह के चार शूटरों को भी गिरफ्तार किया था। ऐसा माना जाता है कि ये शूटर मयंक सिंह के इशारे पर बिश्नोई और साहू गिरोहों के लिए काम करते थे और अपनी पहचान छुपाने के लिए कोडनेम का इस्तेमाल करते थे।

## देश के हर 10 में 4 सीएम के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज, शीर्ष पर रेवंत रेड्डी, दूसरे नंबर पर स्टालिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के हर 10 में 4 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) और नेशनल इलेक्शन वॉच की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश के 40 फीसदी मुख्यमंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण में राज्य विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी 30 वर्तमान मुख्यमंत्रियों के स्व-शपथ पत्रों पर गहन अध्ययन किया है। इसमें पाया गया कि 12 मुख्यमंत्रियों (40 प्रतिशत) पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट के अनुसार देश में 10 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ (33 प्रतिशत) हत्या के प्रयास, अपहरण, रिश्वतखोरी और आपराधिक धमकी जैसे गंभीर अपराधों का आरोप है। इसमें कांग्रेस शासित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी 89 मामलों के साथ सबसे ऊपर हैं। दूसरे नंबर पर तमिलनाडु के एम के स्टालिन हैं जिनके खिलाफ 47 मामले दर्ज हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के खिलाफ 19 मामले, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ 13 मामले और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ 5 मामले दर्ज हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू ने चार-चार मामले घोषित हैं। वहीं, केरल के पिनाराई विजयन ने दो और पंजाब के भगवंत मान ने एक मामले की घोषणा की है। यह निष्कर्ष तब सामने आया है, जब राजनीतिक रूप से काफी गरमागरम माहौल है। मोदी सरकार ने हाल ही में संसद में तीन विधेयक पेश किए हैं। इसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को स्वत: पद से हटाने की बात कही गई है। इसके बाद यदि वे कम से कम पांच साल की जेल की सजा वाले आरोपों में 30 दिन या उससे अधिक समय तक हिरासत में रहते हैं, तब उन्हें पद से हटाया जा सकेगा।

# एक राष्ट्र, एक चुनाव को देश की प्रगति और विकास के लिए जरुरी, अब हर देशवासी ये मान रहा: चौहान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक राष्ट्र, एक चुनाव को देश की प्रगति और विकास के लिए जरुरी बताकर इसका समर्थन किया है। उनका कहना है कि बार-बार होने वाले चुनाव देश के संसाधनों, समय और ऊर्जा की बर्बादी करते हैं, जिससे देश में चल रहे विकास कार्य बाधित होते हैं।

उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव की परिस्थिति को देश के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा कि आज एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए सभी वर्ग सामने आ रहे हैं। सभी का मानना है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव से देश का विकास तेज गति से होगा। बार-बार चुनाव को लेकर जो झगड़े होते हैं, वे समाप्त हो जाएंगे और विकास के कामों को गति मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्रहित में है और इस भारत के करोड़ देशवासी भी मान रहे हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा कि चुनावों के दौरान कलेक्टर सभी को ड्यूटी देते हैं, सब चुनाव आयोग के अधीन आते हैं, शिक्षक, इंस्पेक्टर, सब मतदाता सूची तैयार करने में व्यस्त होते हैं। जब हर 5 साल में एक बार चुनाव होने पर, तब मतदाता सूची एक ही बार बनेगी, जिससे मतदाता सूची पर विवाद खत्म हो जाएगा। हर 4 महीने में चुनाव होने के कारण, अनुमान है कि 5 साल में इन चुनावों पर 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए हैं और यह लगातार बढ़ रहा है। यह 7 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि यह करदाताओं का पैसा है। इसीलिए, एक राष्ट्र, एक चुनाव देशहित में है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दर्ज एफआईआर पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देशवासियों के दिलों में बसते हैं और लोग उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। उन्होंने तेजस्वी के बयान को निंदनीय करार देकर कहा कि ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियां उचित नहीं है।

## 27 अगस्त तक महाराष्ट्र समेत देश भर में भारी बारिश की चेतावनी

**मुंबई (एजेंसी)।** सप्ताह की शुरुआत में मुंबई समेत राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हुई थी। उसके बाद, मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि गणेशोत्सव के दौरान कुछ दिन के लिए रुकी बारिश फिर से सक्रिय हो जाएगी। अगले 7 दिनों तक कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र में भारी बारिश जारी रहने की संभावना है, जबकि 25 और 26 अगस्त को कोंकण में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इस बीच, अगले 5 दिनों तक गुजरात तट पर तेज़ हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 25 अगस्त के आसपास बंगाल की खाड़ी के साथ-साथ उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के पास एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। 24 अगस्त से पूर्वी भारत और आसपास के इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही, अगले 7 दिनों में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। 26 और 27 अगस्त को विदर्भ में, 22 और 26 अगस्त के बीच ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल में, 22 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल में, 22 और 23 अगस्त को झारखंड, बिहार में, 25 और 26 अगस्त को ओडिशा में और 25 और 27 अगस्त के बीच छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा होने की संभावना है। 26 और 27 अगस्त को तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 25 और 26 अगस्त को तटीय केरल और तटीय आंध्र प्रदेश में भारी वर्षा होने की संभावना है। अगले 5 दिनों में तटीय तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कुछ स्थानों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

## पाकिस्तान से क्रिकेट मैंच... सैनिकों के साथ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अपमान

### -संजय राउत ने पीएम मोदी को खत लिखकर इसका विरोध किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले का हवाला देकर भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप क्रिकेट मैच पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मुद्दे पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। राउत ने लिखा कि आंतकी हमले में मारे गए भारतीयों का खून अभी सूखा नहीं है और उनके परिवारों के आंसू अभी थमे नहीं हैं, इसके बाद भी पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलना अमानवीय और असंवेदनशील कदम होगा।

राउत ने पत्र में कहा कि केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैचों को हरी झंडी देने की खबर भारतवासियों के लिए बेहद दुखद है। जाहिर है कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बिना यह संभव नहीं होता। मैं आपके समक्ष देशभक्त नागरिकों की भावनाएं व्यक्त कर रहा हूं।

राउत ने कहा कि आप कहते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान के खिलाफ संघर्ष जारी है, तब हम क्रिकेट कैसे खेल सकते हैं?

क्या राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर हम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलते हैं तब कारोबार बंद कर दिया जाएगा। आपने कहा था कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते। अब, क्या खून और क्रिकेट साथ-साथ बहेंगे? पाकिस्तान के खिलाफ मैचों में बड़े पैमाने पर सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुआ खेला जाता है, जिसमें कथित तौर पर कई भाजपा सदस्य शामिल हैं। गुजरात के एक प्रमुख व्यक्ति, जय शाह, वर्तमान में क्रिकेट मामलों की कमान संभाल रहे हैं। क्या इसमें भाजपा को कोई खास वित्तीय लाभ होता है? उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना न केवल हमारे सैनिकों के शौर्य का अपमान है, बल्कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित कश्मीर के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले प्रत्येक शहीद का भी अपमान है।

# तीन राज्यों में घटनाएं अलग-अलग लेकिन खौफ एक जैसा कुत्तों का आतंक

### -यूपी में युवती का चेहरा नोंच, मप्र में बच्ची पर हमला, महाराष्ट्र में युवक घायल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सड़क पर निकलो तो आवारा कुत्तों का खौफ आपका पीछा करता है। देश के कई शहरों में आवारा कुत्तों का आतंक जारी है। तीन अलग-अलग राज्यों मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और यूपी से सामने आए खौफनाक वीडियो से लोगों की रूह कंपा गई। कानपुर में एक बीबीए छात्रा के चेहरे पर 17 टांके लगाने पड़े हैं, मध्यप्रदेश के खरगोन में 10 साल की मासूम पर कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया और पुणे में एक युवक पर कुत्तों ने अटैक कर दिया। इन हमलों से लोगों में डर है।

कानपुर में लड़की का चेहरा बिगड़ा, खरगोन में बच्ची की जान जाते-जाते बची और पुणे में युवक लहूलुहान हो गया। सवाल यह है कि इसका ठोस समाधान क्या है? 20 अगस्त की दोपहर...कानपुर की 21 साल की वैष्णवी साहू, बीबीए फाइनल ईयर की छात्रा, रोज की तरह कॉलेज से घर जा रही थी। घर से कुछ ही कदम दूर पार्क के पास अचानक तीन आवारा कुत्ते उस पर झपटे। कुछ ही सेकंड में कुत्तों ने उसे सड़क पर गिरा दिया। उसके गाल का मांस नोचकर दो हिस्सों में कर दिया। नाक पर गहरी चोट और पूरे शरीर पर काटने के निशान...लड़की की चीखें सुनकर आसपास के लोग दौड़े और किसी तरह कुत्तों को भगाकर

छात्रा को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों को उसके चेहरे पर 17 टांके लगाए। अब वैष्णवी न तो ठीक से खा पा रही है और न बोल पा रही है। उसका परिवार आज भी दहशत में है और प्रशासन से गुहार लगा रहा है कि कुछ कीजिए, वरना कल किसी और के साथ ऐसा हो सकता है।

वहीं मध्यप्रदेश के खरगोन जिले के करही नगर परिषद का इलाका में शाम करीब 4-30 बजे 10 साल की मासूम बच्ची कुछ सामान लेकर लौट रही थी। तभी एक कुत्ता उसके पीछे लपका। डर के मारे बच्ची दौड़ी, लेकिन पैर फिसल गया और वह पानी से भरे गड्ढे में जा गिरी। एक के बाद एक कई कुत्ते उस पर टूट पड़े। बच्ची चीखती रही, हाथ-पांव मारती रही, तभी पास से गुजर रहे दो राहगीरों ने पत्थर मारकर कुत्तों को खदेड़ा। उनकी हिम्मत न होती तो शायद जिंदगी खतरे में पड़ जाती। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई और सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। गांव वालों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर है। उनका कहना है कि हर हफ्ते कोई न कोई बच्चा इन कुत्तों का शिकार हो रहा है, आखिर प्रशासन कब जागेगा?

वहीं महाराष्ट्र के पिंपरी-चिंचवड़, पुणे में सुबह करीब 5 बजे एक युवक काम पर जा रहा था कि तभी सात कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया। कुत्तों ने उसके हाथ काट लिए और घसीटकर ले जाने की कोशिश की। युवक ने बचने के लिए फ्लेक्स बोर्ड और सड़क के किनारे खड़ी बाइक का सहारा लिया, लेकिन झुंड लगातार आक्रामक होता गया। सीसीटीवी कैमरे में कैद यह वीडियो इतना डरावना है कि देखने वालों की रूह कांप जाए। युवक तो किसी तरह बच गया, लेकिन इलाके के लोग अब सुबह घर से निकलने में भी डर रहे हैं। बुजुर्ग और बच्चे घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं।

## केरल इकाई के भाजपा उपाध्यक्ष के बयान से विवाद, जीतने के लिए जम्मू-कश्मीर से भी लोगों को लेकर आएंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तिरुवनंतपुरम,(ईएमएस)। विपक्ष द्वारा चुनाव आयोग पर उठाए जा रहे सवालों के बीच केरल इकाई के भाजपा उपाध्यक्ष ने नया दावा करके विवाद पैदा कर दिया है। बी.गोपालकृष्णन ने दावा किया कि बीते साल के लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों से मतदाताओं को त्रिशूर में स्थानांतरित किया था। गोपालकृष्णन ने भविष्य के चुनावों के लिए भी इसी नीति को अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा, जिन निर्वाचन क्षेत्रों में हम जीतना चाहते हैं, वहां हम जम्मू-कश्मीर से भी लोगों को लेकर आएंगे। हम उन्हें एक साल के लिए बसाएंगे और यह सुनिश्चित करने वाले हैं, कि वे मतदान प्रक्रिया में भाग लें। इसमें कोई संदेह नहीं है, हम भविष्य में भी ऐसा जरूर करने वाले है। पत्रकारों ने पूछा की बाहर से आने वाले कई लोगों के मकान मालिकों का कहना है कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है? इसका जवाब देकर गोपालकृष्णन ने कहा कि यह गलतफहमी केवल इक्का-दुक्का मामलों में सामने आई है। यह गंभीर मुद्दा नहीं है।

इस दौरान भाजपा उपाध्यक्ष ने दावा किया कि त्रिशूर में किसी भी प्रकार का फर्जी मतदान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, फर्जी मतदान का मतलब है, किसी मृत व्यक्ति के नाम पर मतदान करवाना या फिर एक व्यक्ति द्वारा दो बार मतदान करना। इसमें ऐसा कुछ भी नहीं है। उन्होंने विपक्षी पार्टियों द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर तंज कसते हुए कहा कि राज्य में यूडीएफ और एलडीएफ ने भाजपा को हराने के लिए कई क्षेत्रों में सांठगांठ की है। अगर उस व्यवहार में किसी को नैतिकता की चिंता नहीं है, तब हमारे इस दृष्टिकोण में भी हमें नैतिकता की कोई दुविधा नजर नहीं आती है।

गोपालकृष्णन के बयान के बाद जारी विवाद को स्पष्ट कर भाजपा के राज्य सचिव एम टी रमेश ने कहा कि कानून के तहत अगर भारत का कोई भी व्यक्ति किसी स्थान पर 6 महीने से अधिक समय तक रहता है, तब वह वहां की मतदाता सूची में पंजीकरण करा सकता है। उन्होंने कहा, त्रिशूर में केवल त्रिशूर के निवासियों का ही पंजीकरण किया गया है, फर्जी वोट माकपा और कांग्रेस ने डाले हैं।

दोनों नेताओं के बयानों के बाद राज्य में बवाल खड़ा हो गया है। केंद्र में पहले से ही चल रहे वोट चोरी के आरोपों के बीच बयान ने उन आरोपों को नई हवा दे दी है। बता दें त्रिशूर लोकसभा सीट पर 2024 में भाजपा उम्मीदवार सुरेश गोपी जीतकर 74,682 वोटों से जीते थे।

## उपराष्ट्रपति का चुनाव कोई लड़ाई नहीं, बल्कि दो विचारधारा का टकराव: सुदर्शन रेड्डी

### -एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से कोई मतभेद नहीं

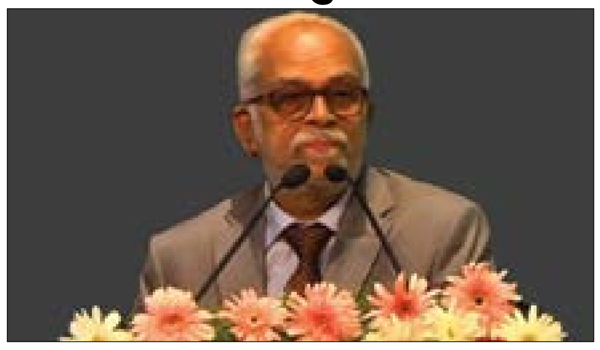

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के दावेदार बी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि उपराष्ट्रपति का चुनाव कोई लड़ाई नहीं, बल्कि दो विचारधारा का टकराव है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे इस विचारधारा से असहमत हैं, न कि एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से कोई मतभेद है। इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रेड्डी ने कहा कि यह कोई लड़ाई नहीं, बल्कि विचारों का टकराव है...दूसरा पक्ष यह प्रचार कर रहा था कि यहाँ एक व्यक्ति है जो जीवन भर आरएसएस का पूर्ण सदस्य रहा है, इसलिए मैं उस विचारधारा से असहमत हूँ, राधाकृष्णन जी से नहीं।

रेड्डी ने कहा कि एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन से उनका कोई निजी विरोध नहीं है। हम एक-दूसरे से कभी मिले भी नहीं हैं। इसलिए मैं दिल से चाहता था कि यह एक सभ्य मुकाबला हो, व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि दो अलग-अलग विचारधाराओं के बीच। रेड्डी ने वैचारिक मतभेदों को उजागर कर कहा कि मुझे किसी विचारधारा को पसंद या नापसंद करने का कोई अधिकार नहीं है, लेकिन जिस तरह से यह (आरएसएस) काम करता है, उससे मेरे गंभीर मतभेद हैं, क्योंकि मैं एक उदार संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यक्ति हूँ। मैं धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और बाबासाहेब की बंधुत्व की विचारधारा में विश्वास करता हूँ।

बातें कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया। राकांपा (एससीपी) प्रमुख शरद पवार, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव, द्रमुक सांसद तिरुचि शिवा, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और गठबंधन के कई अन्य नेता भी मौजूद थे।

# मोदी सरकार ने बदली रक्षा रणनीति....नया भारत दुश्मनों को घर में घुसकर मारता

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बीते 11 सालों में मोदी सरकार के कार्यकाल में रक्षा क्षेत्र में भारत का नजरिया काफी बदल चुका है और भारत अब आक्रमक रणनीति अपना रहा हैं। इस बदलाव के पीछे स्पष्ट सोच, मजबूत प्रतिरोध और आत्मनिर्भरता से मिली ताकत है। मोदी सरकार ने लगातार इस बात पर जोर दिया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं होगा।

इस परिवर्तन ने आंतरिक और बाहरी चुनौतियों से निपटने में ज्यादा आत्मविश्वास के साथ आधुनिक और सक्रिय नजरिया अपनाने का मौका दिया है। इसी कड़ी में भारत ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के लिए लक्ष्मण रेखा खींच दी हैं। अगर अब दुश्मन ने कभी भी उन सीमाओं को लांघने की कोशिश करता हैं, तब दुश्मन को तबाही से कोई नहीं बचा सकेगा। पीएम मोदी ने दो टूक कहा हैं कि अब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की एक भी घटना का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। पीएम मोदी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ निलंबित हुआ है। मतलब जब भी जरूरत पड़ेगी, यह हमले फिर से शुरू हो सकते हैं। भारत अब पहलगाम जैसी किसी भी आतंकी घटना का ऑपरेशन सिंदूर से भी बढ़कर निर्णायक जवाब देगा।

पाकिस्तान में सरकार किसी की सरकार रहे, जब भी भारत के साथ विवाद हुआ है परमाणु हमले की धमकी देना पाकिस्तानी नेताओं की आदत रही है। लेकिन, अब भारत तय कर चुका है कि न्यूक्लियर ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। पाकिस्तान की परमाणु हमले की धमकियां आतंकवादी ठिकानों को तबाह करने से नहीं रोक सकेंगी। ऑपरेशन सिंदूर के साथ ही भारत परमाणु हमले वाली चिंता से बाहर निकल चुका है।

भारत अब आतंकवादियों और उन्हें पालने पोसने वाले में कोई फर्क नहीं करता। मतलब, किसी भी आतंकवादी घटना के लिए जितने जिम्मेदार आतंकी संगठन की होगी, उतना ही पाकिस्तान की भी होगी। मतलब, ऑपरेशन सिंदूर में सिर्फ आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन अब भारत उन्हें सक्रिय समर्थन देने वालों से भी भेद नहीं करेगा। पाकिस्तानी सेना के लिए इससे बड़ी चेतावनी नहीं हो सकती।

भारत के लिए अब यह भी न्यू नॉर्मल है कि अगर कभी भी पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत होती है, तब यह पहले सिर्फ आतंकवाद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के मुद्दे पर ही होगी। मतलब, पाकिस्तान के लिए दरवाजे भारत की ओर से बंद हो चुक हैं। अगर वह कभी भी भविष्य में रिश्ते सुधारना चाहता है, तब आतंकवाद पर लगाम कसनी ही पड़ेगी और उसके लिए भारत के सामने कश्मीर का मुद्दा उठाना नामुमकिन होगा।

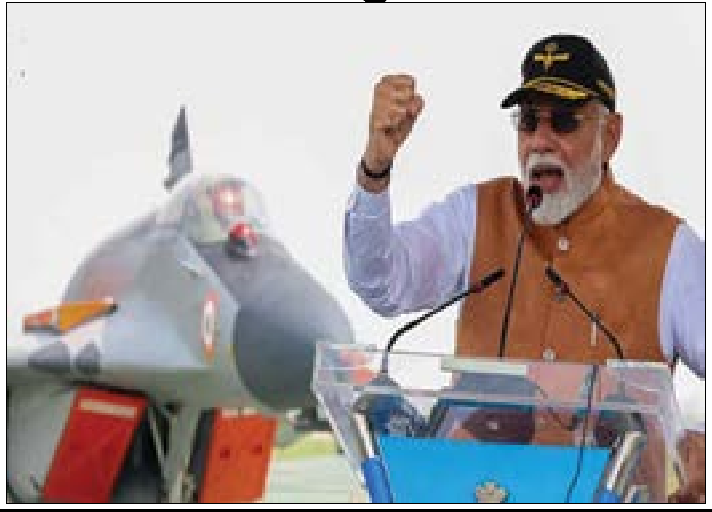

# दमण जिला भाजपा और सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा कमेटियों के घोषणा की यादगार झलकियां

# झूठे मुकदमों का कारोबार और वकीलों की जवाबदेही

## ''जब न्याय के प्रहरी ही अपराधी बन जाएँ, तो कानून की आस्था कैसे बचे ?''

**झूठे मुकदमे केवल निर्दोषों को पीड़ा नहीं देते, बल्कि न्याय तंत्र की नींव को भी हिला देते हैं। जब वकील ही इस व्यापार में शामिल होते हैं तो वकालत की गरिमा और न्यायपालिका की विश्वसनीयता दोनों पर गहरा आघात होता है। ऐसे वकीलों पर आपराधिक मुकदमे चलना अनिवार्य है ताकि कानून का दुरुपयोग रोका जा सके। न्याय केवल किताबों में दर्ज प्रावधान नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था है। यह आस्था तभी बची रहेगी जब न्याय के प्रहरी झ वकील और अदालत झ स्वयं अपने आचरण से पारदर्शिता और ईमानदारी का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।**

भारतीय न्याय व्यवस्था की नींव सत्य और न्याय पर आधारित है। न्यायालय को हमेशा से समाज का सबसे बड़ा सहारा माना जाता रहा है। जब अन्याय पीड़ित व्यक्ति हर दरवाज़े पर ठोकर खाकर थक जाता है, तब उसे अदालत से ही उम्मीद रहती है। लेकिन यह उम्मीद तब कमजोर पड़ जाती है जब न्याय का सहारा बनने वाले लोग ही उसे अपने स्वार्थ और लालच का साधन बना लेते हैं। हाल ही में लखनऊ की अदालत ने एक वकील परमानंद गुप्ता को 29 झूठे मुकदमे दर्ज कराने के अपराध में उम्रकैद और पाँच लाख रुपये के जुर्माने की सज़ा सुनाई। यह फैसला एक उदाहरण है कि न्यायपालिका कानून का दुरुपयोग करने वालों को बख्शेगी नहीं। यह केवल एक व्यक्ति की सजा नहीं है, बल्कि पूरे समाज और न्यायिक व्यवस्था के लिए चेतावनी है कि कानून का मज़ाक उड़ाने वालों की कोई जगह नहीं।

वकील पेशे को समाज में हमेशा सम्मानित दृष्टि से देखा जाता है। वकील को केवल मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं, बल्कि न्यायालय का अधिकारी भी माना जाता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह सत्य और न्याय के लिए संघर्ष करेगा। लेकिन जब वही वकील झूठे मुकदमों का निर्माण करने लगे, निर्दोषों को फँसाने लगे, और अपने पेशे का इस्तेमाल व्यक्तिगत दुश्मनी या आर्थिक लाभ के लिए करने लगे, तो यह न केवल उसकी आचार संहिता का उल्लंघन है बल्कि पूरे पेशे की गरिमा पर भी प्रश्नचिह्न है। एक वकील जो अदालत में सत्य का पक्षधर होना चाहिए, अगर असत्य का सबसे बड़ा हथियार बन जाए तो समाज में न्याय की कोई गारंटी नहीं रह जाती।

झूठे मुकदमों का असर केवल आरोपित व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। यह उसके परिवार, उसकी सामाजिक स्थिति और उसकी आर्थिक स्थिति तक को झकझोर देता है। वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाने पड़ते हैं, बेगुनाही साबित करने के लिए सबूत जुटाने पड़ते हैं और मानसिक यातना अलग से झेलनी पड़ती है। समाज भी ऐसे व्यक्ति को संदेह की दृष्टि से देखने लगता है। इससे उसका आत्मविश्वास टूट जाता है और धीरे-धीरे कानून और अदालत पर से विश्वास उठने लगता है। यही सबसे बड़ा नुकसान है, क्योंकि न्याय पर से भरोसा खत्म होना किसी भी समाज के लिए सबसे खतरनाक स्थिति है।

झूठे मुकदमों की समस्या यह भी है कि यह असली पीड़ितों के मामलों को कमजोर करती है। जब कोई कानून, जैसे एससी-एसटी एक्ट, जिसका उद्देश्य कमजोर वर्गों की सुरक्षा करना है, झूठे मुकदमों में इस्तेमाल किया जाता है तो वास्तविक पीड़ितों की आवाज़ दब जाती है। अदालतों को यह तय करने में अधिक समय लग जाता है कि कौन-सा मामला सच है और कौन-सा झूठा। नतीजा यह होता है कि असली पीड़ितों को न्याय मिलने में देर होती है और उनका दर्द बढ़ जाता है।

इसलिए आज आवश्यकता है कि झूठे मुकदमे गढ़ने वाले और उन्हें अदालत में आगे बढ़ाने वाले वकीलों पर कठोरतम कार्रवाई हो। यदि कोई डॉक्टर लापरवाही करता है, तो उस पर केस चलता है। यदि कोई इंजीनियर खराब निर्माण करता है तो उसे दंडित किया जाता है। तो फिर वकील, जो न्याय के प्रहरी हैं, यदि झूठे मुकदमों का व्यापार करें, तो उन्हें भी आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और न्याय में बाधा डालने जैसी धाराओं में दंडित किया जाना चाहिए। उनकी प्रैक्टिस पर रोक लगनी चाहिए और बार काउंसिल को उनके लाइसेंस रद्द करने चाहिए।

यह केवल कानून की सख्ती का मामला नहीं है, बल्कि वकालत के पेशे की मर्यादा का प्रश्न है। जब तक झूठे मुकदमों के निर्माण और संचालन में शामिल वकीलों पर मुकदमे नहीं चलेंगे, तब तक यह कुप्रथा बंद नहीं होगी। अदालतें जितनी कठोर सज़ा देंगी, उतना ही यह संदेश समाज में जाएगा कि कानून का दुरुपयोग करने वालों की कोई जगह नहीं।

न्याय व्यवस्था को बचाने के लिए आवश्यक है कि कानून में ऐसे प्रावधान हों जिससे झूठे मुकदमों की पहचान होने पर तुरंत कार्रवाई हो। वकीलों की जवाबदेही तय करनी होगी। अगर यह साबित हो कि किसी वकील ने जानबूझकर मुवक्किल को झूठे मुकदमे के लिए उकसाया, तो उस पर केवल पेशेवर कार्रवाई न हो बल्कि आपराधिक मुकदमा भी दर्ज हो। इस कदम से न केवल निर्दोष लोगों की रक्षा होगी बल्कि वकालत का पेशा भी अपने वास्तविक उद्देश्य झ न्याय की सेवा झ के लिए जाना जाएगा।

आज लखनऊ की अदालत का फैसला पूरे देश के लिए मिसाल है। इसने साबित किया है कि न्यायालय केवल आरोपी और अपराधी के बीच निर्णय करने वाला संस्थान नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था की पवित्रता को भी सुरक्षित रखने वाला प्रहरी है। यदि वकील अपने कर्तव्य से भटकेंगे, तो वे भी अपराधी की श्रेणी में आएँगे और उन्हें उसी प्रकार दंड मिलेगा जैसे अन्य अपराधियों को मिलता है।

अब समय आ गया है कि समाज और न्यायपालिका दोनों मिलकर वकालत के पेशे को अपराध का साधन बनने से बचाएँ। बार काउंसिल ऑफ इंडिया को चाहिए कि वह वकीलों के लिए कठोर आचार संहिता लागू करे और झूठे मुकदमों में लिप्त पाए जाने पर तत्काल लाइसेंस रद्द करे। अदालतों को चाहिए कि वे ऐसे मामलों की सुनवाई तेज़ी से पूरी करें ताकि न्याय केवल होता हुआ नज़र ही न आए बल्कि सही समय पर मिले भी।

वकीलों को भी आत्ममंथन करना होगा। उन्हें यह समझना होगा कि उनका पहला कर्तव्य केवल मुवक्किल की जीत नहीं बल्कि न्याय की जीत है। यदि इस सोच को अपनाया जाए तो न्यायालय में पेश होने वाला हर वकील समाज की नज़रों में वास्तविक प्रहरी होगा, न कि अपराध का भागीदार। न्याय केवल कागज़ों पर लिखा शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था है। और यह आस्था तभी बनी रहेगी जब न्याय के रक्षक भी पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्य का पालन करेंगे।

झूठे मुकदमों से केवल अदालतों का बोझ नहीं बढ़ता बल्कि समाज का विश्वास भी टूटता है। निर्दोष लोग जब सालों तक जेलों में सड़ते हैं, तब उनके परिवार बर्बाद हो जाते हैं। उनकी मासूम ज़िंदगियाँ खत्म हो जाती हैं। ऐसे समय में अदालतों से सख्त और स्पष्ट संदेश मिलना ही समाज को यह विश्वास दिलाता है कि न्याय जीवित है और उसकी रक्षा की जा रही है।

लखनऊ का फैसला इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह न केवल एक अपराधी वकील को दंडित करने का मामला है बल्कि पूरे देश को यह चेतावनी है कि झूठे मुकदमे गढ़ने और चलाने वालों के लिए अब जगह नहीं बची है। यह संदेश हर उस वकील को याद दिलाना चाहिए जो कभी भी असत्य के रास्ते पर जाने का प्रयास करेगा। कानून और अदालत किसी के भी दबाव या छलावे में नहीं आने वाले।

इसलिए ज़रूरी है कि इस फैसले को समाज एक आदर्श की तरह देखे और इसे पूरे देश में लागू करने की कोशिश की जाए। वकीलों को भी चाहिए कि वे इस घटना से सीख लें और यह संकल्प लें कि वे अपने पेशे की गरिमा को कभी धूमिल नहीं होने देंगे। तभी न्याय वास्तव में न्याय कहलाएगा और अदालतें आम आदमी के लिए भरोसे का सबसे बड़ा आधार बन सकेंगी।

-: डॉ. प्रियंका सौरभ :-
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस

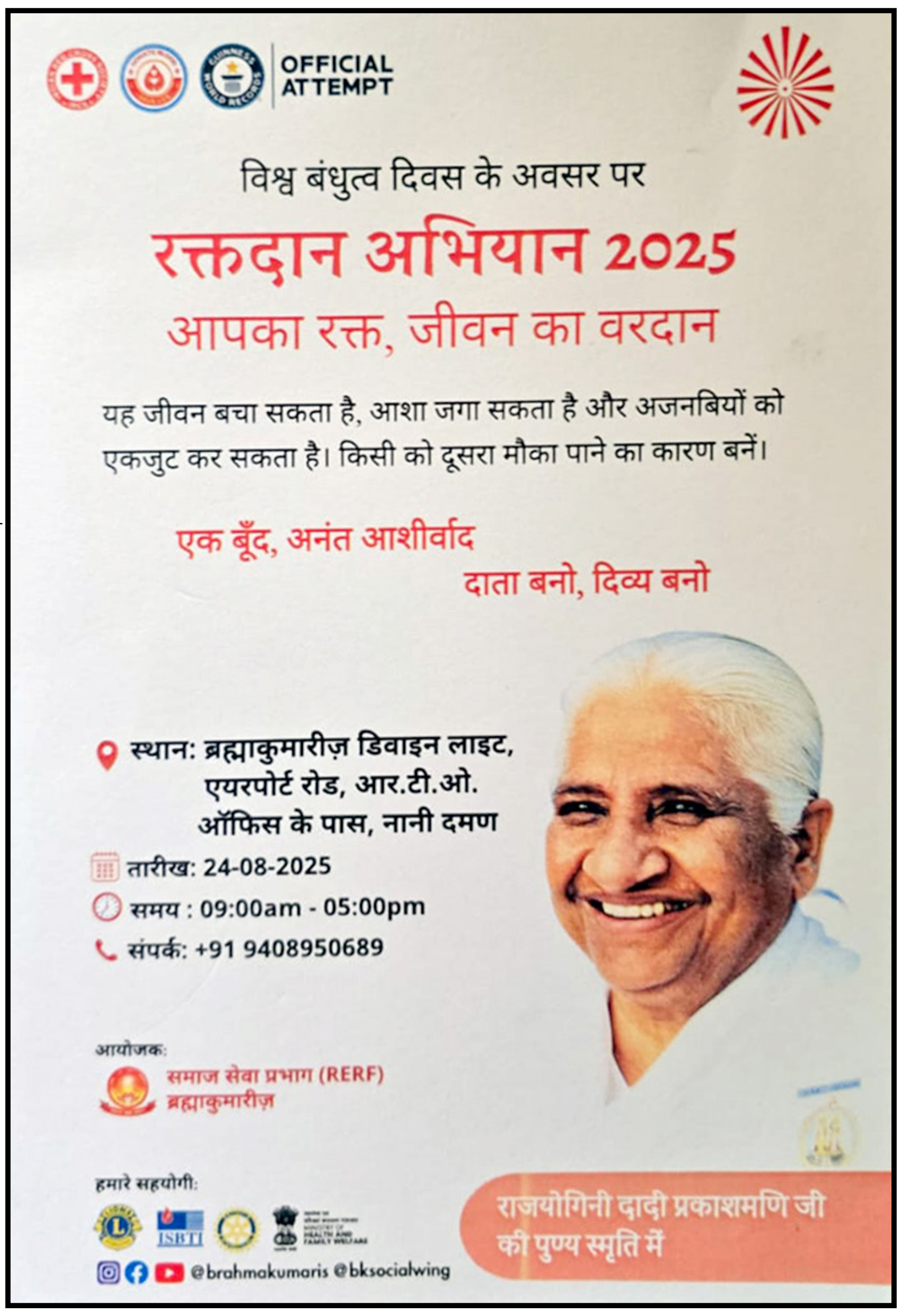

PUBLIC NOTICE

IT FOR GENERAL INFORMATION THAT I, **PAIDA VASANTRAI JAIRAMBHAI S/O. JAIRAMBHAI KULJIBHAI PAIDA**, RESIDING AT HOUSE NO.:- 2/215, RANDAL SHERI, DIU, PIN CODE:- 362520, (U.T THE DADRA NAGAR HAVELI AND DAMAN AND DIU) DECLARE THAT NAME OF MINE HAS BEEN WRONGLY WRITTEN AS **VASANTRY JEREMBHAI SONI IN MY BANK OF BARODA BRANCH, JAMNAGAR AND DIU ACCOUNT ID NO. 25970100018546 AND 40610100005809**. THE ACTUAL NAME OF MINE IS **PAIDA VASANTRAI JAIRAMBHAI** RESPECTIVELY, WHICH MAY BE AMENDED ACOORDINGLY.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM MIRMALA DEVI PRAVEEN KUMAR MUNDRA TO **NIRMALA PRAVEEN** MUNDRA AS PER DOCUMENTS

# विभाजक ताकतों को उलाहना देती बाबुश्किन की हिंदी

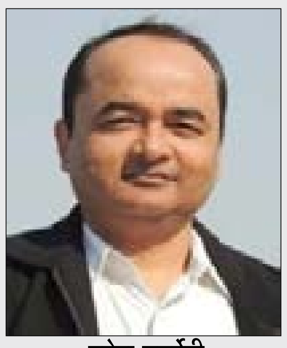

उमेश चतुर्वेदी

**बाबुश्किन का हिंदी बोलना भारतीय राजनीति और समाज के उस तबके के लिए सीख हो सकता है, जो हिंदी का सवाल आते ही भड़क उठते हैं। जिन्हें विदेशी अंग्रेजी तो ग्राह्य और स्वीकार्य है, लेकिन हिंदी उनकी अपनी अस्मिता पर सवाल उठाती लगती है।**

आज के रूस और उसके पूर्ववर्ती सोवियत संघ में हिंदी की पढ़ाई-लिखाई 1957 से ही शुरू हो गई थी, इस लिहाज से रूस के किसी नागरिक का हिंदी बोलना महत्वपूर्ण नहीं माना जा सकता। लेकिन आज के दौर में भारत स्थित रूसी दूतावास के दूसरे नंबर के अधिकारी रोमन बाबुश्किन अगर हिंदी के चंद लफ्जों का इस्तेमाल करें तो वह अहम हो जाता है। रूस से तेल खरीद के चलते अंकल सैम की आंखें इन दिनों भारत पर लाल हैं। इसी संदर्भ में 20 अगस्त को रूसी दूतावास ने एक प्रेस कांफ्रेंस रखी। उस प्रेस कांफ्रेंस में अपने संबोधन की शुरूआत बाबुश्किन ने हिंदी के दो वाक्यों से करके भारतीय भाषा प्रेमी पत्रकारों का दिल जीत लिया। बाबुश्किन का पहला वाक्य रहा, ह्यसभी का हार्दिक स्वागत है।ह्य पत्रकारिता जगत की हस्तियों की श्रवणेंद्रिय इस हिंदी प्रयोग का झटका झेल रही थीं, कि बाबुश्किन ने ठेठ भारतीय सांस्कृतिक अंदाज में दूसरा वाक्य छोड़ दिया, ₹हम शुरूआत करेंगे...भगवान गणेश के साथ। गणेश चतुर्थी आ रही है।₹

बाबुश्किन का हिंदी बोलना भारतीय राजनीति और समाज के उस तबके के लिए सीख हो सकता है, जो हिंदी का सवाल आते ही भड़क उठते हैं। जिन्हें विदेशी अंग्रेजी तो ग्राह्य और स्वीकार्य है, लेकिन हिंदी उनकी अपनी अस्मिता पर सवाल उठाती लगती है। आजाद भारत की राजनीति जाति, धर्म और भाषा के आधार पर किस कदर विभाजित हुई है, इसे समाज तो रोज ही झेलता-देखता है। इस विभाजक सोच का ही असर है कि हमारी अपनी भाषाओं के बीच भी झगड़े पैदा किए जा रहे हैं। भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के विरोध में राजनीति खूब खड़ा कर रही है और इसके जरिए वह अपना सियासी उल्लू ही सीधा करती है। नैरंतर्य और सकारात्मकता के लिहाज से देखें तो इसके सामाजिक विघटन की नींव ही मजबूत हो रही है। अस्मिताबोध को जगाने की आड़ में भाषायी वैमनस्य की राजनीति का एक मात्र मकसद सामाजिक विघटन को बढ़ाना और उस बंटे समाज के बीच से अपने खांचे में फिट बैठने वाला बड़ा समर्थक आधार वर्ग तैयार करना है।

इसीलिए जब नई शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं के जरिए प्राथमिक शिक्षा की बात होती है तो हिंदी को किनारे लगाने के लिए तमिल राजनीतिक अस्मिता उठ खड़ी होती है। कन्नड़ और बांग्ला भाषा बोध भी हिंदी के खिलाफ उठ खड़ा होता है। दिलचस्प यह है कि स्थानीय भाषाबोध के इन खिलाड़ियों के लिए वह अंग्रेजी अपनी हो जाती है, जिसकी कथित तौर पर वैश्विक व्यापकता है। हालांकि हकीकत यह है कि अंग्रेजी की व्यापकता गहराई से देखें तो अमेरिका, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, ब्रिटेन, आयरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, भारत और हांगकांग में ही है।

अंग्रेजी को तो बाबुश्किन ने भी अपना रखा है। भारतीय पत्रकारों के लिए आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बाद में वे अंग्रेजी में ही बोले। लेकिन हिंदी में बोलकर उन्होंने एक तरह से भारतीय लोगों का दिल जीतने की कोशिश की। ठीक उसी अंदाज में, जिस अंदाज में नरेंद्र मोदी स्थानीय समुदायों के दिल तक अपनी पैठ बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं के कुछ शब्दों के साथ अपने भाषण की शुरूआत करते रहे हैं। पता नहीं, बाबुश्किन ने हिंदी बोलकर वहां उपस्थित कितने भारतीय पत्रकारों का दिल जीता, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों और सोशल मीडिया पर जब से उनकी मीठी प्रचारित हुई है,उन्होंने ठेठ भारतीयों का दिल जरूर जीत लिया है।

सोवियत संघ में हिंदी फिल्में काफी पसंद की जाती रही हैं। एक दौर में राजकपूर की फिल्में खासा लोकप्रिय रही हैं। राजकपूर अभिनीत फिल्म श्री 420 का गीत 'मेरा जूता है जापानी, ये पतलून इंग्लिस्तानी, सर पे लाल टोपी रूसी, फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' एक दौर में सोवियत संघ के घर-घर का पसंदीदा गीत बन गया था। कम्युनिस्ट शासन के दौर में रूस की राजधानी मास्को में हिंदी में दो प्रकाशक भी सक्रिय रहे, प्रगति प्रकाशन और रादुगा प्रकाशन। इन प्रकाशनों के जरिए रूसी लेखकों के साथ ही लेनिन, स्टालिन आदि की रचनाएं हिंदी में अनूदित होकर सस्ते में उपलब्ध होती थीं। एक दौर में सोवियत संघ की दो पत्रिकाएं 'सोवियत देश' और 'स्पूतनिक' भारत में बहुत प्रचलित थे। हिंदी की वहां पढ़ाई भी खूब होती है। इसकी शुरूआत 1955 में हुई। उसके पहले तक रूस की भारत में दिलचस्पी संस्कृत भाषा और साहित्य के अध्ययन तक सीमित थी। साल 1955 में सोवियत संघ के तत्कालीन प्रधानमंत्री निकिता ख्रुश्चेव ने भारत का दौरा किया। इसी दौरे में उन्होंने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा, 'हम यह देखेंगे कि हमारे देश की शिक्षा प्रणाली ऐसी विकसित हो जिसमें सर्वश्रेष्ठ और सर्वगुण-सम्पन्न नई पीढ़ी हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं को सीखें।' इसी के बाद सोवियत संघ में हिंदी प्रकाशन और पढ़ाई-लिखाई की शुरूआत हुई।

आज रूस के मास्को राजकीय विश्वविद्यालय, रूसी राजकीय मानविकी विश्वविद्यालय, अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्वविद्यालय, सांक्त पितेरबूर्ग विश्वविद्यालय, विद्यालय क्रमांक 19, मॉस्को, फार ईस्ट विश्वविद्यालय, ब्लादीवोस्तक आदि में हिंदी पढ़ाई जा रही है। इसके साथ ही मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के जवाहरलाल नेहरू साँस्कृतिक केंद्र में हिन्दी की कक्षाएँ चल रही हैं। जिनमें हर आयु वर्ग लोग हिंदी सीख रहे हैं।

साफ है कि विदेशी लोग हिंदी सीख रहे हैं, भारत आए विदेशी हिंदी बोल रहे हैं। इस्कॉन के मंदिरों में जाकर देखा जा सकता है, भगवान कान्हा के विदेशी भक्त भी मीठी हिंदी में बात करते मिल जाएंगे। लेकिन हमारी ही राजनीति के ही एक वर्ग को हमारी हिंदी से परहेज है। ऐसे लोगों के लिए बाबुश्किन की मीठी हिंदी एक तरह मीठा उलाहना है। बाबुश्किन जैसों की जुबान से निकली हिंदी भारतीय भाषा प्रेमियों के लिए नव उत्साह के संचार का जरिया है। ऐसे सुखद हादसों से हिंदी ही नहीं, भारतीय भाषा प्रेमी भी प्रेरित होते हैं। काश कि हमारी राजनीति भी इसे समझती, इससे प्रेरित होने की कोशिश करती और भाषा के नाम पर होने वाली विभाजनकारी राजनीतिक कर्म से बचती।

## संपादकीय

### विवाह की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा यदि कोई स्वतंत्र रहना चाहता है, तो उसे विवाह नहीं करना चाहिए। कोई भी पति या पत्नी यह नहीं कह सकता कि जब तक हमारा वैवाहिक संबंध है, मैं दूसरे जीवन साथी से स्वतंत्र रहना चाहता/चाहती हूं। मामले में अलग रह रहे दंपति को कहा, हर पति-पत्नी का आपस में कोई न कोई विवाद होता रहता है। दंपति के दो बच्चे भी हैं। पीठ ने कहा, हमें खुशी होगी अगर दंपति साथ आ जाता है क्योंकि बच्चे छोटे हैं। उन्हें टूटा हुआ घर देखने को न मिले। महिला का दावा है कि उसका पति सिंगापुर में रह रहा है, और मामले को सुलझाने के लिए तैयार नहीं है। पति की कुछ हरकतों के कारण उसका वहां रहना मुश्किल है। महिला की इस दलील पर कि वह पति पर निर्भर नहीं रहना चाहती, अदालत ने कहा कोई पत्नी पति से यह नहीं कह सकती क्योंकि

भावनात्मक रूप से पति पर निर्भर होती है पत्नी। बेशक, पति-पत्नी के बीच विवाद की गुंजाइश से इंकार नहीं किया जा सकता परंतु दांपत्य में दोनों का बराबरी का संबंध होता है। जब महिलाएं साक्षर नहीं थीं, उनकी स्थिति बनिस्बत खराब थी। परिवार/समाज उनके साथ निराश्रितों की तरह बर्ताव करता था। तब उनकी मजबूरी थी कि पति पर निर्भर रहें। मगर अब व्यावहारिक तौर पर स्वीकरना होगा कि दोनों ही एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। विवाह में निजी स्वतंत्रता बमुश्किल मिलती है। यह सामंजस्य का बंधन है जिससे संपूर्ण कुनबा बंधा होता है। खासकर अपने समाज में आज भी शादी सामाजिक/पारिवारिक निर्णय है। उस पर जब दंपति के बच्चे भी हों तो जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। तमाम झगड़ों-झंझटों के बावजूद अभी भी अपने यहां बुरी से बुरी शादियां ताउम्र चल जाती हैं। सवाल सिर्फ दांपत्य तक सीमित नहीं है, हर रिश्ते में तारतम्यता की आवश्यकता होती है। सारी दुनिया में यूं भी अकेलेपन की समस्याएं विकराल होती जा रही हैं। बेहतर जीवन गुजारने और दांपत्य की दरारों को मिटाने के प्रयास दोनों तरफ से होने जरूरी हैं। खासकर बच्चेदार पालकों को उनके मुस्तकबिल का ख्याल कर बीच का रास्ता निकालने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। बात सिर्फ गुजारा भत्ता या बच्चों के भरण-पोषण तक सीमित नहीं है। यह वैश्विक समस्या है, जिसे शांतिपूर्ण ढ़ंग से विमर्श करके निपटाया जा सकता है। कदम दोनों को बढ़ाना होगा, छद्म अहंकार हमेशा परिवार तोड़ने वाला ही होता है।

## चिंतन-मनन

### सत्ता और नैतिकता

सत्ता के संचालन में शक्ति की अपेक्षा रहती है या नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न है। शक्ति दो प्रकार की होती है- नैतिक शक्ति और उपकरण शक्ति। नैतिक शक्ति के बिना तो व्यक्ति सही ढंग से प्रशासन कर ही नहीं सकता। उपकरण शक्ति का जहां तक प्रश्न है, एक सीमा तक वह भी जरूरी है। किंतु वह शक्ति का एकमात्र तत्व नहीं है। उससे भी अधिक आवश्यक है- बुद्धि, विवेक, साहस और निर्णायक क्षमता। जिस शासक में ये चारो तत्व नहीं होते, वह सही रूप से सत्ता को संचालित नहीं कर सकता। एक शासक के पास बहुत बड़ी सेना हो, शस्त्रों का विशद भंडार हो; पर सही समझ न हो और समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता न हो तो शक्ति भी अहितकर बन जाती है। सामान्यतः राष्ट्रीय एवं सामाजिक सत्ता के संचालन में शक्ति तत्व अपेक्षित रहता है, पर वही सब कुछ नहीं है, परम तत्व नहीं है।

अधिकारी व्यक्ति की चरित्रनिष्ठा, जागरूकता और जनता की सहानुभूति का योग होने से ही सत्ता के गलियारों को पार किया जा सकता है। किसी एक तत्व की कमी होते ही प्रशासक विवादों के घेरे में खड़ा हो जाता है। उस समय वह सत्ता का संचालन करता है या सत्ता के द्वारा संचालित होता है, कुछ कहना कठिन है। मयार्दा पुरुषोत्तम राम और रावण का प्रसंग प्रसिद्ध है। रावण की सत्ता से संसार कांपता था, इधर राम वनवासी थे। उनके पास न वैसी सेना थी, न वैसा शास्त्रबल था। फिर भी उन्होंने रावण की सत्ता को चुनौती दे दी। रावण धराशायी हो गया, क्योंकि उसका चरित्रबल क्षीण हो गया, सूझबूझ समाप्त हो गई, सही निर्णय लेने की क्षमता चुक गई और उसने जनता की सहानुभूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

# पहले जापान फिर चीन...कूटनीति में यात्रा का क्रम कई संदेश देता है, एशियाई राजनीति में संतुलन साधेंगे मोदी

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 29 अगस्त से 1 सितंबर तक जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। यह दौरा केवल दो देशों की यात्रा भर नहीं है, बल्कि एशिया तथा वैश्विक राजनीति की दिशा और संतुलन को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इतना ही नहीं, इसके प्रभाव वॉशिंगटन तक भी पहुँचेंगे। सबसे पहले, 29झ30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी जापान जाएंगे, जहाँ वह प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ 15वें भारतझजापान वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। यह मोदी का जापान का आठवाँ दौरा और इशिबा के साथ उनकी पहली मुलाकात होगी। हम आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच ह्स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिपह्व है, जिसमें रक्षा-सुरक्षा, व्यापार, तकनीकी सहयोग और जन-से-जन संपर्क प्रमुख आधार हैं। इस यात्रा के माध्यम से मोदी यह संदेश देंगे कि भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र में लोकतांत्रिक, पारदर्शी और नियम-आधारित व्यवस्था का प्रबल समर्थक है। जापान के लिए यह संकेत भी स्पष्ट होगा कि भारत उसके साथ गहरी साझेदारी चाहता है और चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच वह अकेला नहीं है।

इसके बाद, 31 अगस्तझ1 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। SCO भारत की एशिया नीति का अहम हिस्सा है, जहाँ सुरक्षा, आतंकवाद और क्षेत्रीय सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होता है। इस मंच पर मोदी की मौजूदगी चीन के लिए यह संदेश है कि भारत टकराव नहीं बल्कि संवाद और बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर है। साथ ही यह भी स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान जैसे देशों के साथ सामरिक सहयोग बढ़ाकर बीजिंग पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाए रखने की क्षमता रखता है।

कूटनीति में यात्रा का क्रम भी संदेश देता है। मोदी ने पहले जापान और फिर चीन का दौरा तय कर यह जताया है कि भारत एशिया में अपनी स्वतंत्र रणनीतिक प्राथमिकताओं पर चलता है। बीजिंग को संकेत दिया गया है कि भारत उसकी शर्तों पर नहीं झुकेगा और जापान को आश्वस्त किया गया है कि चीन के साथ संवाद उसकी कीमत पर नहीं होगा।

इसके अलावा, जापान के साथ रक्षा सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता का संतुलन साधने में मदद कर सकता है, वहीं जापान निवेश और तकनीकी सहयोग का भी बड़ा स्रोत है। दूसरी ओर, चीन के साथ सीधे संवाद बनाए रखने से भारत को सीमा विवाद और SCO जैसे मंचों पर अपनी स्थिति मजबूती से रखने का अवसर मिलता है। इस क्रम में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का हालिया बयान उल्लेखनीय है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि परिस्थितियाँ मांगने पर चीनी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) पर लगी पाबंदियों की समीक्षा की जा सकती है। यह संकेत ऐसे समय आया है जब अमेरिका के साथ भारत के व्यापारिक संबंधों में तनाव देखा जा रहा है और चीन के साथ तालमेल की संभावनाएँ खुल रही हैं।

अमेरिकी दृष्टि से यह यात्रा बेहद अहम है। वॉशिंगटन इसे गहराई से देखेगा, क्योंकि यह उसकी इंडो-पैसिफिक रणनीति, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और जापान की भूमिका– तीनों से जुड़ी है। भारत यहाँ अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि वह किसी एक खेमे का हिस्सा नहीं है। जापान में जाकर भारत अपने 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप' को मजबूत करता है, जो अमेरिका की इंडो-पैसिफिक दृष्टि से मेल खाता है। वहीं चीन जाकर मोदी यह दिखाएंगे कि भारत अपने पड़ोस और बहुपक्षीय मंचों की अनदेखी नहीं करेगा।

बहरहाल, मोदी की जापान और चीन यात्रा अमेरिका को यह याद दिलाती है कि भारत उसका 'नेचुरल पार्टनर' तो है, लेकिन 'जूनियर पार्टनर' नहीं। भारत सहयोग का पक्षधर है, पर अपनी स्वायत्तता से समझौता नहीं करता। यह दौरा साफ तौर पर दिखाता है कि भारत किसी एक ध्रुव का हिस्सा बनने के बजाय संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति को प्राथमिकता देता है।

# बाल अपराध खोती मासूमियत, बढ़ती क्रूरता

सोनम लववंशी

अहमदाबाद के एक स्कूल में आठवीं कक्षा के छात्र द्वारा दसवीं के छात्र की हत्या और नरसिंहपुर में एक छात्र द्वारा अपनी शिक्षिका पर पेट्रोल डाल कर उन्हें आग के हवाले कर देना। दोनों घटनाएं अलग-थलग वारदात नहीं, बल्कि उस गहरे संकट की परछाई हैं, जो हमारी सामाजिक संरचना और परवरिश के तौर-तरीकों को चुनौती दे रहा है। बच्चे, जिनकी दुनिया खेलकूद, पढ़ाई और मासूमियत से भरी होनी चाहिए, आज हिंसा, हताशा और प्रतिशोध के घेरे में फंसते जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यह नहीं कि अपराधी कौन है, बल्कि यह है कि अपराध की जड़ें इतनी गहरा क्यों गई हैं।

यदि बीते आठ वर्षों के परिप्रेक्ष्य में देखें तो 2014-22 के बीच बाल अपराधों में 81 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई। सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि समाज की नींव कहीं न कहीं कमजोर हुई है। बाल अपराधों में सर्वाधिक हिस्सा यौन शोषण का है। बाल लैंगिक अपराध संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दर्ज मामलों का अनुपात लगातार 36 फीसद के आसपास बना हुआ है अर्थात हर तीसरे अपराध में कोई न कोई बच्चा यौन उत्पीड़न का शिकार होता है। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाती, बल्कि समाज की सामूहिक संवेदनहीनता को भी उजागर करती है। ऐसे में अपराध ही नहीं, बच्चों का मानसिक संतुलन भी गहरे संकट में है।

एनसीआरबी की दुर्घटनावश मृत्यु और आत्महत्या संबंधी रिपोर्ट बताती है कि 2022 में लगभग तेरह हजार छात्रों ने आत्महत्या की। यह संख्या देश में हुई कुल आत्महत्याओं का लगभग सात फीसद है। सोचिए, केवल परीक्षा में असफल होने के कारण ग्यारह सौ से अधिक बच्चों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। कुल मिला कर अठारह वर्ष से कम आयु के दस हजार से अधिक बच्चों ने 2022 में आत्महत्या का रास्ता चुना और इनमें लड़कियों की संख्या अधिक रही। यह आंकड़ा सिद्ध करता है कि बच्चे अपने ही घर और विद्यालय के दबावों से हार मान रहे हैं। वहीं नाबालिगों द्वारा किए जा रहे अपराध भी भयावह दिशा में बढ़े हैं। 2016 में किशोरों द्वारा अपराधों में हिंसक घटनाओं का अनुपात 32 फीसद था, जबकि 2022 तक यह बढ़ कर लगभग 50 फीसद हो गया अर्थात संख्या स्थिर रही, किंतु स्वरूप अधिक क्रूर और हिंसक हो गया।

दिल्ली सहित अनेक महानगरों में पिछले दो वर्षों में नाबालिगों को हत्या, लूटपाट और रेप जैसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किया गया। इन घटनाओं में प्रायः मोबाइल फोन, हथियार और इंटरनेट की आसान उपलब्धता बड़ी वजह के रूप में सामने आई। डिजिटल संसार भी बच्चों की सुरक्षा के लिए चुनौती बन चुका है। 2022 में साइबर अपराधों में चौबीस फीसद की वृद्धि दर्ज की गई और इनमें अनेक मामलों में पीड़ित सीधे तौर पर बच्चे ही थे। अनियंत्रित तकनीकी पहुंच और आभासी दुनिया का मोह बच्चों को वास्तविक जीवन से काट कर असुरक्षित बना रहा है। ये सारे तथ्य बताने के लिए पर्याप्त हैं कि यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक संवाद की विफलता का सम्मिलित परिणाम है। विद्यालयों में अब भी अनिवार्य परामर्शदाता व्यवस्था नहीं है। अध्यापक ज्ञान बांटने में सक्षम हैं परंतु बच्चों के भावनात्मक संघर्ष को समझने और संभालने के लिए प्रशिक्षित नहीं। परिवारों में संवाद का दायरा सीमित होता जा रहा है। अभिभावक बच्चों की चिंताओं और हताशाओं को सुनने की बजाय केवल अंक पत्र और करियर पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। समाज मानसिक स्वास्थ्य को विशेष वर्ग का विषय मानता है, जबकि यह हर बच्चे की मूलभूत आवश्यकता है।

अनेक देशों में विद्यालयों में अनिवार्य मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा लागू की जा चुकी है। कला, खेल और संवाद पर आधारित पुनर्वास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किशोर अपराधों से निपटने के लिए 'पुनर्स्थापनात्मक न्याय' पद्धति अपनाई जा रही है, जिसमें अपराधी किशोर को कठोर दंड की बजाय पीड़ित और समाज के साथ संवाद की प्रक्रिया में शामिल कर सुधार की दिशा दी जाती है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष और विश्व स्वास्थ्य संगठन चेतावनी दे चुके हैं कि किशोर अपराध को केवल अपराध मान कर कठोर दंड देना समाधान नहीं है। समस्या बहुआयामी है, और इसका समाधान संवेदनशील परवरिश, संवाद और सामाजिक सहयोग से ही संभव है। कुल मिला कर देखें तो हमारे सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या हम अपनी अगली पीढ़ी को हिंसा और निराशा से बचा पाएंगे? क्या हम उन्हें किताब, कला और संवाद की दुनिया में लौटा पाएंगे? क्या हम स्वीकार करेंगे कि शिक्षा अंकों और रोजगार का साधन ही नहीं है, बल्कि संवेदनशीलता और विवेक का संस्कार भी है? और क्या हम सच्चाई का सामना करेंगे कि बच्चों की हिंसा दरअसल, हमारी सामूहिक विफलता का आईना है?
(लेख में विचार निजी हैं)

## संक्षिप्त समाचार

### बस-एम्बुलेंस की टक्कर में छह लोगों की मौत, मुख्यमंत्री मरियम ने जताया शोक

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहीम यार खान जिले में एक यात्री बस और एम्बुलेंस की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार रेस्क्यू कर्मी शामिल हैं। गुरुवार को हादसा तब हुआ जब बस ने एक मोटरसाइकिल को बचाने की कोशिश में सामने से आ रही रेस्क्यू वाली गाड़ी 1122 एम्बुलेंस को टक्कर मार दी। चार रेस्क्यू कर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हुए। दो घायलों की हालत गंभीर है। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने हादसे पर दुख जताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की।

### डेल्टा और यूनाइटेड एयरलाइंस पर धोखा देने का केस

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** इस हफ्ते न्यूयॉर्क और सैन फ्रांसिस्को में डेल्टा एयरलाइंस और यूनाइटेड एयरलाइंस के खिलाफ दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इन कंपनियों पर आरोप है कि उन्होंने खिड़की वाली सीट बताकर यात्रियों से ज्यादा पैसे वसूले, जबकि कई सीटों के पास खिड़की थी ही नहीं सिर्फ दीवार थी। यह मुकदमे न्यूयॉर्क की एक कानून फर्म ने दर्ज किए हैं और ये सामूहिक मुकदमे हैं, यानी कोई भी यात्री जिसने ऐसी सीट बुक की हो, इस केस का हिस्सा बन सकता है। कानून फर्म ने कहा कि हमें बहुत सारे लोगों ने संपर्क किया है जो खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं और इस केस से जुड़ना चाहते हैं। जब लोग खिड़की के लिए पैसे देते हैं, तो उन्हें खिड़की मिलनी भी चाहिए। डेल्टा और यूनाइटेड दोनों एयरलाइंस ने मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है क्योंकि केस कोर्ट में चल रहा है।

### शट्टा वेले अमेरिकी धोखाधड़ी केस की जांच में गिरफ्तार, बाद में मिली जमानत

**अक्रा, एजेंसी।** घाना के मशहूर सिंगर शट्टा वेले को अमेरिका में चल रहे एक धोखाधड़ी मामले से जुड़े जांच के सिलसिले में हिरासत में लिया गया। यह मामला उनकी 2019 मॉडल की लग्जरी कार लेम्बोर्गिनी उरुस से जुड़ा हुआ है। घाना की आर्थिक और संगठित अपराध कार्यालय ने बताया कि शट्टा वेले खुद बुधवार को पूछताछ के लिए पेश हुए थे। यह पूछताछ अमेरिका सरकार की ओर से आए अनुरोध पर हो रही है। उन्हें गुरुवार को जमानत पर छोड़ दिया गया। जांच एक 4 मिलियन डॉलर (करीब 33 करोड़ रुपये) की धोखाधड़ी से जुड़ी है, जो अमेरिका में कुछ घानावासियों द्वारा की गई थी। इस धोखाधड़ी में कमाई गई रकम से खरीदी गई चीजों का पता लगाया जा रहा है। इस केस का मुख्य आरोपी नाना क्वाबेना अमुआह है, जिसे 2023 में अमेरिका की अदालत ने 7 साल की सजा दी थी। उस पर आरोप था कि उसने लेक्सिंगटन, केंटकी शहर को गैर-लाभकारी संगठनों के नाम पर धोखा देकर पैसे ठग लिए।

### फलस्तीनी गुटों ने हथियार सौंपने की प्रक्रिया शुरू की, लेबनानी सेना को सौंपी पहली खेप

**बेरूत , एजेंसी।** बेरूत के पास एक फलस्तीनी शरणार्थी कैंप में मौजूद कुछ फलस्तीनी गुटों ने गुरुवार को अपने पास रखे हथियार लेबनानी सेना को सौंपने की शुरुआत की। यह कदम उन योजनाओं का हिस्सा है जो तीन महीने पहले घोषित की गई थी, जिसके तहत इन कैंपों से हथियार हटाए जाने हैं। पहले दिन एक छोटी सी शुरुआत हुई, एक पिकअप ट्रक कैंप से निकला जिसमें बैगों में बंद हथियार रखे थे। कुछ बैगों से मशीन गनों के पिछले हिस्से और रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड्स झांकते हुए दिखाई दिए। इस योजना की घोषणा मई में उस समय हुई थी जब फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने लेबनान का दौरा किया था। उन्होंने और लेबनान के राष्ट्रपति जोसफ आउन ने मिलकर कहा था कि हथियारों का नियंत्रण अब लेबनानी सरकार के पास होगा। लेकिन अभी तक सभी फलस्तीनी गुट इस फैसले से सहमत नहीं हैं। हमास और उससे जुड़े गुट पैलेस्टीनियन इस्लामिक जिहाद ने इस पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं दी है। हमास की ओर से एक बयान आया जिसमें कहा गया कि गुरुवार को हथियार सौंपना फतह संगठन का आंतरिक मामला है और इसका फलस्तीनी कैंपों में मौजूद हथियारों से कोई लेना-देना नहीं है।

# भारत पर टैरिफ लगाने और चीन को बचाने पर ट्रंप को विशेषज्ञों की चेतावनी

## कहा- संबंधों पर पड़ेगा प्रभाव

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने पर विशेषज्ञों ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस से तेल खरीदने पर भारत पर टैरिफ लगाने और चीन को बचाने से अमेरिका को ही नुकसान हो सकता है। भारत पर टैरिफ लगाने से दोनों देशों के संबंधों पर प्रभाव पड़ेगा। भू-राजनीतिक और आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के खिलाफ इस हमले का भारत-अमेरिका संबंधों पर दूरगामी और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। ट्रंप की सहयोगी निक्की हेली ने एक लेख में कहा कि चीन को पछाड़ने के अमेरिकी विदेश नीति के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को पटरी पर लाने से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ और नहीं है। भारत से मूल्यवान स्वतंत्र और लोकतांत्रिक साझेदार की तरह व्यवहार किया जाना चाहिए, न कि चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी की तरह। एशिया में चीनी प्रभुत्व के प्रतिकार के रूप में काम करने वाले एकमात्र देश के साथ 25 वर्षों की गति को रोकना एक रणनीतिक आपदा होगी। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका को अपनी महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन से दूर ले जाने में मदद करने के लिए आवश्यक है और यह स्वतंत्र विश्व की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण परिसंपत्ति है। जबकि ट्रंप प्रशासन विनिर्माण को अमेरिका में वापस लाने के लिए काम कर रहा है। भारत उन उत्पादों के लिए चीन जैसे पैमाने पर विनिर्माण करने की क्षमता के मामले में अकेला है, जिनका उत्पादन यहां शीघ्रता से या कुशलता से नहीं किया जा सकता है, जैसे कि कपड़ा, सस्ते फोन और सौर पैनल। हेली ने कहा कि चीन के विपरीत लोकतांत्रिक भारत का उदय स्वतंत्र विश्व के लिए खतरा नहीं है और इसलिए भारत की शक्ति बढ़ने के साथ ही चीन की महत्वाकांक्षाएं कम होनी होंगी।

भू-राजनीतिक विशेषज्ञ फरीद जकारिया ने अमेरिका भारत संबंधों को खराब करने के लिए ट्रंप की आलोचना की। जकारिया ने कहा कि ट्रंप की ओर से भारत पर लगाए गए दंडात्मक टैरिफ अमेरिका की सबसे बड़ी विदेश नीति गलती थी। अगर ट्रंप अपना रुख बदल भी देते हैं, तो भी नुकसान हो चुका है। भारत का मानना है कि अमेरिका ने अपना असली रंग दिखा दिया है। वह अविश्वसनीय है और जिसे वह अपना दोस्त कहता है, उसके साथ क्रूरता करने को तैयार है। भारत को लगेगा कि उसे अपनी बाजी सुरक्षित रखनी होगी। रूस के साथ नजदीकी बनाए रखें और चीन के साथ सुलह करें।

अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भी भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ट्रंप के कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिक्स के महान एकीकरणकर्ता हैं। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी विदेश नीति में सबसे मूर्खतापूर्ण रणनीतिक कदम कहा। वरिष्ठ अमेरिकी कांग्रेस सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने भी भारत पर टैरिफ लगाने के लिए ट्रंप की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि टैरिफ से वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच मजबूत साझेदारी बनाने के लिए दो दशकों से अधिक समय से किए जा रहे सावधानीपूर्वक कार्य को खतरा है। हमारे बीच गहरे रणनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंध हैं। चिंताओं का समाधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप पारस्परिक सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

### अफ्रीकी देश गिनी में भूस्खलन से 11 लोगों की मौत, 10 घायल

**कोनाक्री , एजेंसी।** पश्चिम अफ्रीकी देश गिनी की राजधानी कोनाक्री से 50 किलोमीटर दूर कोयाह प्रांत में भारी बारिश के कारण भूस्खलन में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के अनुसार भूस्खलन बुधवार रात कोयाह प्रांत के ग्रामीण क्षेत्र मानेह में हुआ। स्थानीय निवासी कोने पेपे ने बताया, ''कल शाम करीब सात बजे बारिश हो रही थी। मैंने देखा कि अचानक पहाड़ टूटकर तलहटी में बने घरों पर गिर गया। इसके मलबे में घर दफन हो गए। कोई भी जीवित नहीं बचा।'' खोज और बचाव अभियान बृहस्पतिवार देर रात तक जारी रहा। शहरी नियोजन एवं आवास मंत्री मोरी कोंडे ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा, ''बारिश के कारण पहाड़ का एक हिस्सा ढह गया और इमारतों पर गिर गया।''

## भारतीय की लापरवाही से हुई दुर्घटना, अमेरिका ने सभी विदेशी ट्रक ड्राइवरों का वीजा रोका

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी सरकार ने विदेशी ट्रक ड्राइवरों को वीजा देने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को इसका एलान कर दिया। दरअसल अमेरिका में एक भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद अमेरिका में विदेशी ट्रक ड्राइवरों के खिलाफ माहौल बन गया है और इस घटना ने राजनीतिक रंग ले लिया है। मार्को रूबियो ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि तत्काल प्रभाव से कमर्शियल ट्रक ड्राइवरों को जारी होने वाले वीजा पर रोक लगाई जाती है। अमेरिका की सड़कों पर विदेशी ट्रक ड्राइवरों की संख्या बढ़ती जा रही है और ये ट्रक और ट्रेलर चालक अमेरिकी लोगों की जान खतरे में डाल रहे हैं और साथ ही अमेरिकी ट्रक चालकों की आजीविका में भी सेंध लगा रहे हैं।

**भारतीय ट्रक ड्राइवर की लापरवाही से हुआ हादसा:** दरअसल फ्लोरिडा के राजमार्ग पर एक भारतीय ट्रक ड्राइवर ने गलत तरीके से यू-टर्न लिया, जिससे एक कार ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। आरोपी ट्रक ड्राइवर की पहचान हरजिंदर सिंह के रूप में हुई है, जो मेक्सिको के जरिए अवैध तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था। संघीय अधिकारियों के अनुसार, आरोपी ट्रक ड्राइवर अंग्रेजी परीक्षण में भी असफल रहा। अमेरिका में इस मामले की काफी चर्चा हो रही है क्योंकि यह घटना फ्लोरिडा में हुई, जो सत्ताधारी रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ है। साथ ही रिपब्लिकन पार्टी का अवैध अप्रवासियों पर रुख सख्त रहा है।

# मनी लॉड्रिंग मामले में घिरे ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति पुलिस ने लगाए 50 लाख डॉलर के लेनदेन के आरोप

**ब्रासीलिया, एजेंसी।** ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो मनी लॉड्रिंग मामले में घिर गए हैं। पुलिस ने उन पर मार्च 2023 और फरवरी 2024 के बीच 50 लाख डॉलर का लेनदेन करने के आरोप लगाए हैं। वहीं बोल्सोनारो ने कहा कि राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार उन्हें राजनीतिक रूप से प्रताड़ित कर रही है। बोल्सानारो एक जनवरी, 2019 से 31 दिसंबर, 2022 तक ब्राजील के राष्ट्रपति रहे। उन पर तख्तापलट की साजिश करने का भी आरोप है। इस मुकदमे में सुप्रीम कोर्ट के पांच न्यायाधीशों का एक पैनल सजा सुनाएगा। वे दो से 12 सितंबर के बीच अपना फैसला सुनाएंगे। अगर अटॉर्नी जनरल उन पर न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाने का निर्णय लेते हैं तो पूर्व राष्ट्रपति को एक और मुकदमे का सामना करना पड़ सकता है। बोल्सनारो पर आरोप है कि उनको 30 मिलियन से अधिक ब्राजीलियन रीसिस (5 मिलियन डॉलर) प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश बिना किसी स्पष्ट औचित्य के थे तथा उस अवधि के दौरान लगभग इतनी ही राशि के डेबिट भी प्राप्त हुए। दस्तावेजों के मुताबिक लगभग दो करोड़ रियाल (3.48 मिलियन डॉलर) कथित तौर पर पीआईएक्स नामक 12 लाख से अधिक लेनदेन से आए। बोल्सोनारो ने इस दौरान निवेश पर भी इतनी ही राशि खर्च की। दस्तावेजों से यह भी पता चला है कि पूर्व राष्ट्रपति ने वायर ट्रांसफर, जमा पर्चियों के भुगतान, निकासी और विनिमय कार्यों पर भी पैसा खर्च किया। ब्राजील पुलिस ने कहा है कि बोल्सोनारो और उनके बेटे एडुआर्डो ने वित्तीय संसाधनों के स्रोत और गंतव्य को छिपाने के लिए कई पैंतरेबाज़ी की। इसका उद्देश्य विदेश में रहने वाले सांसद (एडुआर्डो बोल्सोनारो) की अवैध प्रकृति की गतिविधियों को वित्तपोषित करना और उनका समर्थन करना था। पुलिस जांच यह भी खुलासा हुआ कि बोल्सोनारो ने पिछले साल अर्जेंटीना में राजनीतिक शरण लेने पर विचार किया था और एहतियाती उपायों के बावजूद हाल के हफ्तों में उन्होंने सहयोगियों के साथ संवाद जारी रखा, जिसके कारण अब उन्हें नजरबंद होना पड़ रहा है। मामले की देखरेख कर रहे न्यायमूर्ति एलेक्जेंडर डी मोरेस ने बुधवार देर रात बोल्सोनारो के वकीलों से कहा कि उनके पास यह बताने के लिए 48 घंटे का समय है कि पूर्व राष्ट्रपति अपने घर में नजरबंदी के आदेश के लिए निर्धारित उपायों का पालन क्यों नहीं कर रहे हैं? बोल्सोनारो के वकीलों ने उस मामले में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया। वकीलों ने कहा कि किसी भी एहतियाती उपाय का कभी भी उल्लंघन नहीं किया गया था। साथ ही वे संघीय पुलिस द्वारा उन पर औपचारिक रूप से न्याय में बाधा डालने का आरोप लगाने के निर्णय से आश्चर्यचकित हैं। बोल्सोनारो के एक वकील ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने कभी भी अर्जेंटीना में राजनीतिक शरण लेने पर गंभीरता से विचार नहीं किया। पाउलो कुन्हा ब्यूनो ने बताया कि बोल्सोनारो को उनके खिलाफ जांच के दौरान हर तरह के सुझाव मिले। किसी ने उन्हें फरवरी 2024 में शरण का अनुरोध भेजा था। वह जा सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

### सुप्रीम कोर्ट ने जब्त किया पासपोर्ट

ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने 8 फरवरी, 2024 को बोल्सोनारो का पासपोर्ट ज़ब्त कर लिया था। न्यायाधीश डी मोरेस ने सभी अनुरोधों को अस्वीकार कर दिया क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति के भाग जाने का खतरा माना जा रहा है। वहीं बोल्सोनारो ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति को दिए 33 पन्नों के एक दस्तावेज में दावा किया है कि ब्राजील में उनका राजनीतिक उत्पीड़न हो रहा है। दोनों ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर समर्थक हैं। माइली के प्रवक्ता मैनुअल एडोर्नी ने कहा कि अर्जेंटीना सरकार को अभी तक कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ है।

# पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को बड़ी राहत, शाही परिवार को बदनाम करने के मामले में किए गए बरी

**बैंकॉक, एजेंसी।** थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा को शाही मानहानि मामले में बड़ी राहत मिली है। पूर्व पीएम शिनावात्रा ने कहा कि शुक्रवार को एक अदालत ने उन्हें मानहानि के मामले में बरी कर दिया। उनके वकील ने भी फैसले की पुष्टि की। हालांकि बैंकॉक आपराधिक न्यायालय ने कोई बयान जारी नहीं किया है। पिछले साल पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा पर थाईलैंड की राजशाही को बदनाम करने के आरोप में औपचारिक रूप से केस दर्ज कराया गया था। जो देश की राजनीति को अस्थिर करने वाले कई अदालती मामलों में से एक है। थाकसिन पर मूल रूप से 2016 में लेसे मैजेस्टे कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था, क्योंकि उन्होंने एक साल पहले दक्षिण कोरिया के सियोल में पत्रकारों से बात करते हुए टिप्पणी की थी। हालांकि थाकसिन ने आरोपों से इनकार किया था और खुद का बचाव करते हुए एक बयान जारी किया था। थाईलैंड में राजतंत्र को बदनाम करने के लिए बनाए गए कानून के तहत किसी भी शख्स को तीन से 15 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। इस कानून को लेसे मैजेस्टे के नाम से जाना जाता है और ये दुनिया के इस तरह के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। इसी कानून के उल्लंघन के आरोप में थाकसिन पर केस दर्ज कराया गया था। 18 साल पहले थाईलैंड की राजनीति से बेदखल किए पूर्व प्रधानमंत्री थकसिन शिनावात्रा आज भी देश में एक प्रभावशाली राजनीतिक हस्ती है। दरअसल थकसिन शिनावात्रा को थाईलैंड का सबसे सफल चुना हुआ नेता माना जाता है। तख्तापलट के जरिए सत्ता से बाहर किए जाने के बाद उनपर प्रतिबंध भी लगाया गया था। वहीं थाकसिन ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया था।

### साल 2008 में लगा था भ्रष्टाचार का आरोप

दो बार थाईलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके थाकसिन एक अरबपति नेता हैं, जो अक्सर विवादों में घिरे रहते हैं। थाकसिन ने साल 2001 से 2006 तक थाईलैंड के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। हालांकि, साल 2006 के सैन्य तख्तापलट में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। साल 2008 में थाकसिन पर भ्रष्टाचार और सत्ता के पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया गया, जिसके बाद वह थाईलैंड छोड़कर भाग गए थे और करीब 15 साल के आत्म-निर्वासन बाद, पिछले साल अगस्त में वापस अपने देश आ गए, जिसके बाद उन्हें उनके आरोपों के लिए सजा सुनाई गई। उन्होंने अपनी सजा का पूरा समय पुलिस के अस्पताल में बिताया, जिसके बाद विरोधियों ने उन पर विशेषाधिकार होने का भी आरोप लगाया है। थाकसिन को अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार के आरोप में आठ साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन कुछ दिनों बाद ही थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने शाही माफी दे दी, जिसके बाद उनकी सजा आठ साल से घटाकर एक साल कर दी गई थी।

## पूर्व पीएम इमरान खान का भांजा लाहौर से अगवा

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान में इन दिनों सियासी पारा अपने चरम पर है। कारण है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने उनके भांजे शाहरेज खान को अगवा किए जाने का आरोप लगाया है।शाहरेज, इमरान की बहन अलीमा खान के बेटे हैं। पार्टी के वकील राणा मुदस्सर उमर ने बताया कि अब तक किसी भी केस में शाहरेज का नाम नहीं आया है और न ही वे राजनीति से जुड़े हैं। गुरुवार को उन्होंने अपने आरोप में कहा कि शाहरेज खान को लाहौर स्थित उनके घर से सादे कपड़े पहनकर आए लोगों ने अगवा कर लिया। पार्टी के मुताबिक शाहरेज ऑस्ट्रेलिया की एक बड़ी लिनेन कंपनी के रीजनल हेड और ट्रायथलीट हैं। उन्हें घर से जबरन उठाया गया। घरेलू सहायकों के साथ मारपीट हुई और शाहरेज को उनके दो बच्चों के सामने प्रताड़ित भी किया गया। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि एक दिन पहले उन्हें अपनी पत्नी के साथ लाहौर एयरपोर्ट से यात्रा करने से रोका गया था। उन्हें जबरन फ्लाइट से उतार दिया गया था।

**खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने की घटना की निंदा :** इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने शाहरेज की तत्काल रिहाई की मांग की। इमरान की बहन अलीमा खान देश की सेना और अधिकारियों की आलोचना के लिए अक्सर सुर्खियों में रही हैं। बता दें कि इमरान खान बीते करीब दो साल से (अगस्त, 2023 से) जेल में बंद हैं। उन्होंने अपनी पार्टी से कहा था कि जेल में उनके साथ कुछ भी गलत होने पर सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को जवाबदेह ठहराया जाए। गौरतलब है कि गुरुवार को ही देश की सुप्रीम कोर्ट ने 9 मई को हुई हिंसा से जुड़े आठ मामलों में इमरान खान को जमानत देने का फैसला भी सुनाया।

# एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल का लंदन में निधन

## 94 की उम्र में ली अंतिम सांस

**लंदन, एजेंसी।** प्रमुख एनआरआई उद्योगपति लॉर्ड स्वराज पॉल का बृहस्पतिवार शाम (स्थानीय समयानुसार) लंदन में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, वह 94 साल के थे। हाल ही में बीमार पड़ने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में अंतिम सांस ली। ब्रिटेन स्थित कैपारो ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के संस्थापक पॉल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ था। 1960 के दशक में वह अपनी छोटी बेटी अंबिका के कैंसर के इलाज के लिए ब्रिटेन गए थे। लेकिन बेटी की चार साल की उम्र में मृत्यु हो गई, जिसके बाद पॉल ने एक धर्मार्थ ट्रस्ट के रूप में अंबिका पॉल फाउंडेशन की स्थापना की। इस संस्था ने शिक्षा और स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से दुनिया भर के बच्चों और युवाओं के कल्याण के लिए लाखों डॉलर का दान किया।

### 2015 में बेटा और 2022 में पत्नी को खोया

पिछले महीने लंदन के अंबिका पॉल चिल्ड्रन्स जू में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लॉर्ड पॉल ने कहा था कि यह वह जगह है, जहां अंबिका सबसे ज्यादा खुश रहती थीं। लॉर्ड पॉल ने अपने जीवन में बहुत दुख देखे। उन्होंने 2015 में अपने बेटे अंगद पॉल को खोया और 2022 में पत्नी अरुणा को। उनकी याद में वे लगातार परोपकारी काम करते रहते थे।

### पत्नी की याद में लेडी अरुणा स्वराज पॉल हॉल का किया था उद्घाटन

फरवरी 2023 में, लंदन के ऐतिहासिक इंडियन जिमखाना क्लब में लेडी अरुणा स्वराज पॉल हॉल का उद्घाटन करते हुए लॉर्ड पॉल ने कहा, यह हॉल मेरी अद्भुत पत्नी को श्रद्धांजलि है। मुझे उनकी बहुत याद आती है। हमारे 65 साल के वैवाहिक जीवन में हमने कभी झगड़ा नहीं किया।

### संडे टाइम्स रिच लिस्ट में नियमित शामिल होते रहे हैं लॉर्ड पॉल

लॉर्ड पॉल संडे टाइम्स रिच लिस्ट में नियमित रूप से शामिल होते रहे हैं। इस साल उनकी संपत्ति लगभग 2 बिलियन पाउंड आंकी गई और उन्हें 81वें स्थान पर रखा गया। उनकी संपत्ति का बड़ा हिस्सा बहुराष्ट्रीय कंपनी कैपारो समूह से आता है, जो स्टील और इंजीनियरिंग का बड़ा बिजनेस है। कैपारो समूह का मुख्यालय लंदन में है और यह 40 से ज्यादा जगहों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करता है, जिसका संचालन यूके, उत्तरी अमेरिका, भारत और मध्य पूर्व में स्थित है। उनके बेटे आकाश पॉल कैपारो इंडिया के अध्यक्ष और कैपारो समूह के निदेशक हैं।

# कराची में गोदाम में धमाके से दो की मौत, 33 घायल

## पटाखों के कच्चे माल से हुआ बड़ा हादसा

**कराची, एजेंसी।** पाकिस्तान के कराची से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां कराची के भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित ताज मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास गुरुवार को एक गोदाम में जोरदार धमाका हो गया। हादसे में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है और 33 लोग घायल हुए हैं। मामले में पाकिस्तान की आधिकारिक बहु-खतरा आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, धमाका एक तीन मंजिला इमारत के बेसमेंट में हुआ जहां पटाखे बनाने का कच्चा माल रखा गया था। ऊपर की मंजिलों पर परिवार रहते थे। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने और फिर ज्वलनशील पदार्थ की वजह से धमाका होने की बात सामने आई है। बता दें कि हादसे में 20 घायल जिन्ना पोस्टग्रेजुएट मेडिकल सेंटर में भर्ती हैं, जिनमें 2 की हालत नाजुक है। 14 घायल सिविल अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में हैं। बाद में घटनास्थल से 16 साल के एक लड़के की लाश मिली और एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

### सीटीडी ने बताया विस्फोटक

वहीं इस धमाका को लेकर काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के अधिकारी राजा उमर खताब ने बताया कि वहां केवल पटाखों का नहीं बल्कि भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री रखी गई थी। उन्होंने कहा कि इस इलाके से पहले भी दो टन विस्फोटक बरामद हो चुका है। अधिकारियों के अनुसार, सिंध में पटाखों की कोई वैध फैक्ट्री नहीं है और यह गोदाम अवैध रूप से रिहायशी इलाके में चल रहा था। धमाके से इमारत को भारी नुकसान हुआ, आसपास की गाड़ियों पर कंक्रीट के टुकड़े गिर गए और आसपास की खिड़कियां भी टूट गईं। आग बुझाने के लिए 12 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगाई गईं। वहीं मामले में मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने सभी घायलों को तुरंत इलाज दिलाने के निर्देश दिए और घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

# भारतीय महिला टीम विश्वकप 2025 की प्रबल दावेदार : रीमा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करने जा रहे हैं और इसी बीच पूर्व ऑलराउंडर रीमा मल्होत्रा ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अब तक की सबसे मजबूत टीम करार दिया है। टूर्नामेंट का आयोजन 30 सितंबर से दो नवंबर तक होगा और हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपना अभियान गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ मैच से शुरू करेगी। रीमा का मानना है कि इस टीम में अनुभव और युवाओं का ऐसा संतुलन है, जो घरेलू परिस्थितियों में चैंपियन बनने का दमखम रखता है। उन्होंने कहा कि इस बार हरमनप्रीत, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों के साथ अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, श्री चरणी और ऋचा घोष जैसे युवा चेहरे भी टीम को मजबूती दे रहे हैं।

चर्चा का बड़ा विषय शेफाली वर्मा का टीम से बाहर होना रहा, लेकिन रीमा ने दिल्ली की बल्लेबाज प्रतिका रावल को शामिल किए जाने को सही बताया। प्रतिका ने 14 वनडे में 754 रन बनाए हैं और उनके प्रदर्शन में निरंतरता साफ दिखाई देती है। इसके उलट शेफाली के आंकड़े इस फॉर्मेट में औसत ही रहे हैं। रीमा ने कहा कि चयनकर्ताओं ने इस बार बड़े नाम के बजाय भरोसेमंद प्रदर्शन को तरजीह दी है, जो टीम के हित में है।

बल्लेबाजी को हमेशा से भारत की ताकत माना गया है, लेकिन इस बार गेंदबाजी भी टीम की असली पहचान बन सकती है। रेणुका ठाकुर, अमनजोत और अरुंधति रेड्डी तेज गेंदबाजी विभाग को संतुलित कर रही हैं, जबकि स्पिन में दीप्ति शर्मा, राधा यादव और स्नेह राणा का अनुभव और हुनर बड़ा हथियार साबित हो सकता है। रीमा ने कहा कि खासकर स्नेह राणा सफेद गेंद क्रिकेट में परिपक्व हो चुकी हैं और वनडे फॉर्मेट में उनकी उपयोगिता बहुत बढ़ गई है।

भारत महिला टीम विश्व कप के इतिहास में दो बार फाइनल में पहुंची है लेकिन खिताब जीतने का गौरव प्राप्त नहीं हुआ हैं। 2005 में ऑस्ट्रेलिया और 2017 में इंग्लैंड ने भारत को फाइनल में मात दी थी। रीमा का कहना है कि यह टीम उन पिछली असफलताओं से अलग है और इस बार आत्मविश्वास से भरी हुई है। हाल ही में श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन टीम की तैयारी का सबूत है। उन्होंने माना कि हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन निर्णायक होगा क्योंकि वह दबाव में बेहतर

खेलती हैं और टीम को बड़ी जीत दिला सकती हैं। जेमिमा रोड्रिग्स के पांचवें नंबर पर खेलने से बल्लेबाजी में गहराई आई है, जबकि अमनजोत और अरुंधति ने पूजा वस्त्राकर की चोट से बनी कमी को पूरा किया है। रीमा का मानना है कि कागजों पर यह टीम सबसे मजबूत है और घरेलू समर्थन के साथ इस बार भारत खिताब जीतने का प्रबल दावेदार है।

# रोहित-विराट 2027 वनडे विश्व कप तक खेलें तो भारतीय क्रिकेट को होगा फायदा : रॉस टेलर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं में अब न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रॉस टेलर की भी एन्ट्री हो गई हैं रॉस टेलर ने रोहित और विराट को लेकर बड़ा बयान दिया है। टेलर का मानना है कि ये दोनों खिलाड़ियों को वनडे प्रारूप में खेलते रहना चाहिए और अगर वे 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रहते हैं, तो यह भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट दोनों के लिए बेहद अहम होगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। हालांकि, दोनों ने वनडे प्रारूप में खेलना जारी रखने की इच्छा जाहिर की है। अक्टूबर में वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी मैदान पर खेलते नजर आ सकते हैं। इसके लिए दोनों ने अपनी फिटनेस और लय वापस पाने की तैयारी भी शुरू कर दी है। नोएडा में आयोजित चैम्पियंस लीग टी-10 ट्रॉफी के दौरान रॉस टेलर ने कहा, 'अच्छा, आप विराट और रोहित को ही देख लीजिए, वे अब भी फिट हैं और रन बना रहे हैं। इतना क्रिकेट खेलना उनके शरीर के लिए थकाऊ जरूर है, क्योंकि वे दोनों पैरेंट्स भी हैं और लंबे समय तक घर और बच्चों से दूर रहते हैं। लेकिन दुनिया उन्हें मैदान पर देखना चाहती है। विश्व क्रिकेट और भारतीय क्रिकेट के नजरिए से उम्मीद है कि वे दोनों 2027 तक खेलते रहेंगे।'

टेलर ने विराट कोहली के करियर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कोहली को शुरुआती दिनों से ही बढ़ते हुए देखा है। टेलर ने कहा, ÷जब विराट 18-19 साल का था तो थोड़ा मोटा था। उस समय कैमरन व्हाइट ने कहा था कि यह लड़का वर्ल्ड क्लास बनेगा। आज वह शानदार खिलाड़ी बन चुका है। वह न केवल आरसीबी के लिए वफादार रहा है, बल्कि भारतीय क्रिकेट और विश्व क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है। आरसीबी का आईपीएल खिताब जीतना और आखिरकार ट्रॉफी उठाना भी उसके करियर का अहम पल है।÷ टेलर का यह बयान उस समय आया है जब भारतीय क्रिकेट में लगातार यह बहस छिड़ी हुई है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को अब धीरे-धीरे युवा खिलाड़ियों को जगह देनी चाहिए या 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रहना चाहिए। टेलर की राय से यह साफ है कि वह अनुभव और क्लास को लंबे समय तक भारतीय टीम में देखने के पक्षधर हैं।

# रोहित-विराट के फेयरवेल मैच की बातें करना निरर्थक है : राजीव शुक्ला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भारतीय वनडे टीम के कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के रिटायरमेंट को लेकर चल रही अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि दोनों खिलाड़ी अभी वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं, इसलिए फेयरवेल मैच की बातें करना निरर्थक है। गौरतलब है कि रोहित और विराट पहले ही टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। ऐसे में 38 वर्षीय रोहित और 36 वर्षीय विराट के भविष्य पर लगातार चर्चाएं हो रही थीं। कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया कि 2027 वनडे वर्ल्ड कप टीम प्रबंधन की योजनाओं में दोनों का नाम शामिल नहीं है और ऑस्ट्रेलिया दौरा दोनों के लिए विदाई सीरीज साबित हो सकता है।

यूपी टी20 लीग द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में जब शुक्ला से सवाल पूछा गया कि क्या रोहित और विराट को सचिन तेंदुलकर जैसा फेयरवेल मिलेगा, तो उन्होंने जवाब दिया, 'वे रिटायर कहां हुए हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे खेल रहे हैं। जब रिटायर नहीं हुए तो फेयरवेल की बात क्यों हो रही है। उन्होंने केवल दो फॉर्मेट से संन्यास लिया है। लेकिन वे अभी भी वनडे खेल रहे हैं, इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है।'

शुक्ला ने बीसीसीआई की नीति स्पष्ट करते हुए कहा कि बोर्ड कभी किसी खिलाड़ी को रिटायर होने के लिए बाध्य नहीं करता, यह पूरी तरह व्यक्तिगत निर्णय होता है। इंटरव्यू के दौरान फैंस की ओर से यह मांग भी रखी गई कि जब भी दोनों दिग्गज वनडे क्रिकेट से संन्यास लें तो उन्हें शानदार फेयरवेल दिया जाए। इस पर शुक्ला ने कहा, 'जब वो समय आएगा तो देखेंगे। अभी से विदाई की बातें करने की जरूरत नहीं है। विराट कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं और काफी फिट हैं। रोहित शर्मा भी अच्छा खेल रहे हैं। ऐसे में विदाई को लेकर अभी चिंता करना जल्दबाजी है।'

रोहित और विराट ने आखिरी वनडे मैच मार्च 2025 में खेला था, जब भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल खेला था। अब भारतीय टीम अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी, जहां तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। ऐसे में यह दोनों सीनियर खिलाड़ी एक बार फिर से मैदान पर नजर आएंगे और टीम प्रबंधन उनके अनुभव का पूरा फायदा उठाना चाहेगा।

# एशिया कप से पहले बीमार हुए शुभमन गिल, दलीप ट्रॉफी से बाहर

**मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)।** नई दिल्ली (ईएमएस)। टीम इंडिया टेस्ट टीम के कप्तान और युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल एशिया कप 2025 से पहले बीमार पड़ गए हैं। उनकी तबीयत ठीक न होने के कारण वे दलीप ट्रॉफी से हट गए हैं। बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में 28 अगस्त से 15 सितंबर तक होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गिल नॉर्थ जोन की कप्तानी करने वाले थे। लेकिन अब उनकी गैरमौजूदगी में उपकप्तान अंकिम कुमार टीम की बागडोर संभालेंगे। गिल को टी20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले एशिया कप के लिए भारतीय टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है और बोर्ड के लिए उनकी फिटनेस सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय टीम के फिजियो ने हाल ही में गिल की जांच की और बीसीसीआई को हेल्थ रिपोर्ट सौंप दी। वर्तमान में वह चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर आराम कर रहे हैं। चयन समिति और बोर्ड के अधिकारियों ने गिल की उपलब्धता पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सूत्रों ने

इस बात की पुष्टि की हैं कि गिल दलीप ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वैसे भी वह पूरी प्रतियोगिता के लिए उपलब्ध नहीं रहते क्योंकि एशिया कप की तैयारियों के चलते उन्हें टीम इंडिया से जुड़ना था। ऐसे में गिल केवल शुरुआती मैच के लिए ही उतर पाते।

गिल का हालिया फॉर्म की बात करें तो भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी राहत रहा है। इंग्लैंड दौरे पर खेले गए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांच टेस्ट मैचों में उन्होंने 754 रन बनाए और सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। यह उनके कप्तानी करियर की पहली टेस्ट सीरीज थी जिसमें उन्होंने भारत को 2-2 की बराबरी दिलाई और अपने नेतृत्व कौशल से सबको प्रभावित किया। उनकी अनुपस्थिति दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए जरूर झटका है, हालांकि चयनकर्ताओं ने पहले ही शुभम रोहिल्ला को बैकअप के रूप में शामिल किया था।

नॉर्थ जोन का पहला मुकाबला 28 अगस्त को ईस्ट जोन से होगा। वहीं, एशिया कप टीम का हिस्सा अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा भी केवल शुरुआती मैच के बाद टीम से अलग हो जाएंगे। दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गिल जैसे बड़े खिलाड़ी का न खेलना निश्चित रूप से निराशाजनक है, लेकिन भारतीय क्रिकेट के लिए उनका पूरी तरह फिट होना कहीं ज्यादा जरूरी है। एशिया कप 9 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहा है और भारतीय टीम को गिल की बल्लेबाजी और उनकी नेतृत्व क्षमता दोनों की सख्त जरूरत होगी। फिलहाल सभी की निगाहें उनके स्वास्थ्य और एशिया कप से पहले उनकी फिटनेस पर टिकी हैं।

# रिंकू सिंह ने बैट विवाद पर तोड़ी चुप्पी, एशिया कप में चमकने को तैयार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह ने आईपीएल 2024 के दौरान वायरल हुए उस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वह विराट कोहली से बैट मांगते नजर आए थे। कोहली ने उन्हें जो बल्ला दिया था, वह टूट गया और इसके बाद रिंकू दोबारा नया बैट मांगते दिखे थे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था और रिंकू काफी सुर्खियों में आ गए थे। अब मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने इस पूरे मामले को लेकर खुलासा किया है।

27 वर्षीय रिंकू इन दिनों यूपी टी20 लीग में खेल रहे हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में मुस्कुराते हुए कहा कि बैट वाले मामले में वह थोड़ा ज्यादा बदनाम हो गए थे। उन्होंने बताया कि वह सामान्य तौर पर विराट कोहली से मिलने जाते थे और बैट भी मांग लेते थे, लेकिन कैमरे में कैद होने से मामला ज्यादा फैल गया। उन्होंने कहा कि यह चीज उनके लिए और कोहली दोनों के लिए ठीक नहीं रही। रिंकू ने आगे बताया कि इस बार यानी आईपीएल 2025 में उन्होंने कोहली से बैट नहीं लिया बल्कि एमएस धोनी और रोहित शर्मा से बल्ला लिया, जो उनके लिए बड़ी बात है।

रिंकू ने कहा कि बड़े खिलाड़ियों का बैट पाना उनके करियर के लिए बेहद खास है। वह इसे एक यादगार पल मानते हैं। वहीं, उन्होंने एशिया कप 2025 में जगह मिलने पर खुशी जताई और कहा कि यह उनके लिए बड़ा मौका है। पिछले साल वह वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने से चूक गए थे और सिर्फ स्टैंडबाय खिलाड़ी थे।

## इस बार एशिया कप की प्रबल दावेदार है श्रीलंका : थिसारा परेरा

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर थिसारा परेरा ने कहा है कि इस बार उनकी टीम एशिया कप में जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। यूएई में 9 सितंबर से होने वाले एशिया कप में श्रीलंकाई टीम को ग्रुप-बी में रखा गया है। परेरा ने कहा, मुझे लगता है कि इस समय श्रीलंकाई टीम काफी संतुलित है उसके पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज है। इससे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेगी। मैं उनको शुभकामनाएं देता हूं कि वह अपने देश के लिए अपना सौ फीसदी योगदान दें। मुझे लगता है कि हमारे पास आज जो टीम है वह किसी भी विरोधी टीम को टक्कर दे सकती है। एशिया कप में श्रीलंका को ग्रुप-बी में रखा गया है। इस ग्रुप में श्रीलंका के साथ बांग्लादेश, हांगकांग और अफगानिस्तान जैसी टीमें भी हैं।

# एशिया कप टीम के लिए श्रेयस अय्यर का टीम से बाहर होना अनुचित : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने यूएई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान किया। हालांकि, इस टीम में श्रेयस अय्यर का नाम शामिल न होने पर कई दिग्गज खिलाड़ियों ने हैरानी जताई है। इसी तारतम्य में पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इसे अनुचित बताते हुए चयनकर्ताओं से सवाल किया है। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, 'श्रेयस अय्यर कहां हैं? ये बड़ा सवाल है। वह कैसे बाहर हो सकता है? टीम ने पिछले 20 में से 17 मैच जीते हैं, ठीक है, लेकिन उन्हें 15 खिलाड़ियों में जगह न देना, यहां तक कि स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल न करना सही नहीं है। क्या इसका मतलब है कि टी20 विश्व कप को देखते हुए उनके लिए दरवाजे बंद हो चुके हैं? यह अनुचित होगा।' इससे पहले भारत के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी अय्यर को टीम से बाहर करने के फैसले की आलोचना की थी। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकेत है कि भविष्य में टी20 प्रारूप में अय्यर के लिए जगह सीमित हो सकती है। श्रेयस अय्यर ने हाल ही में पंजाब किंग्स के कप्तान के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया और टीम को 2014 के बाद पहली बार फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि, निर्णायक मुकाबले में पंजाब को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। दिनेश कार्तिक ने अय्यर की कप्तानी और दबाव में बेहतर बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि चयनकर्ताओं को उन्हें पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए था। उन्होंने उम्मीद जताई कि अय्यर के लिए दरवाजे अभी भी खुले रहेंगे।

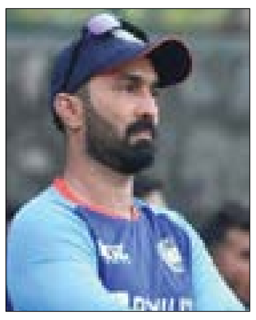

# सीपीएल 2025: टी20 में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बने ताहिर

**गुयाना (एजेंसी)।** सीपीएल 2025 में शनिवार को गुयाना अमेजन वॉरियर्स और एंटीगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस के बीच खेले गए एक मुकाबले में अनुभवी स्पिनर और कप्तान इमरान ताहिर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए नया इतिहास रच दिया। ताहिर की घातक स्पेल की बदौलत गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने मुकाबले में जीत दर्ज की, वहीं ताहिर टी20 क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज कप्तान बन गए। मैच में इमरान ताहिर ने अपने चार ओवर के स्पेल में एक मेडन डालते हुए मात्र 22 रन देकर पांच विकेट झटके। इससे पहले यह रिकॉर्ड मलावी के मोअज्जम अली बेग के नाम था, जिन्होंने सितंबर 2004 में कैमरून के खिलाफ 22 रन देकर पांच विकेट लिए थे। ताहिर ने इस उपलब्धि को हासिल कर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

इतना ही नहीं, ताहिर अब टी20 क्रिकेट के इतिहास में पांच विकेट लेने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज गेंदबाज भी बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि 46 साल 149 दिन की उम्र में हासिल की। उनसे आगे केवल कुक आइलैंड के तोमाकानुटे रीतावा हैं, जिन्होंने 2022 में फीजी के खिलाफ 46 साल 299 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इमरान ताहिर का टी20 करियर बेहद शानदार रहा है। 2006 से अब तक वे अंतरराष्ट्रीय और लीग क्रिकेट मिलाकर 436 टी20 मैच खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 419 पारियों में गेंदबाजी करते हुए कुल 554 विकेट हासिल किए हैं। इस आंकड़े के साथ वे टी20 इतिहास के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं। उनसे आगे राशिद खान, ड्वेन ब्रावो और सुनील नरेन का नाम आता है।

ताहिर के नाम टी20 में एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा अब तक पांच बार दर्ज है। इस मामले में वे शाहीन अफरीदी, लसिथ मलिंगा, भुवनेश्वर कुमार और शाकिब अल हसन के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। इस सूची में सबसे ऊपर डेविड वीजा हैं, जिन्होंने सात बार यह कारनाम कर दिखाया है। पाकिस्तान मूल के इमरान ताहिर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से खेलते हुए उन्होंने 20 टेस्ट में 57, 107 वनडे में 173 और 38 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 63 विकेट लिए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी ताहिर का जादू लीग क्रिकेट में बरकरार है और उनका अनुभव आज भी टीमों के लिए जीत की कुंजी साबित हो रहा है।

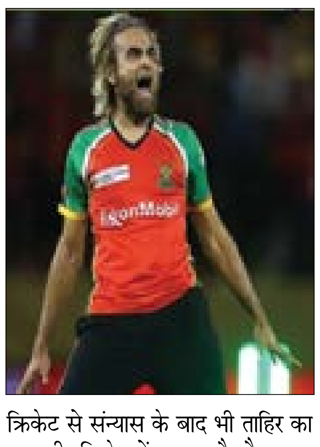

# भारत में पहली बार मेसी की कप्तानी में खेलेगी अर्जेंटीना टीम

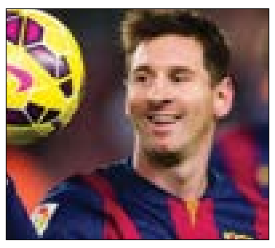

तिरुवनंतपुरम। भारत में अब फुटबॉल का बुखार चढ़ने वाला है, क्योंकि दुनिया के सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार लियोनेल मेसी की अगुआई में अर्जेंटीना फुटबॉल टीम इस साल नवंबर में भारत का दौरा करेगी। यह टीम केरल में एक दोस्ताना मैच खेलने आ रही है। इस ऐतिहासिक पल की आधिकारिक जानकारी राज्य के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से साझा की। उन्होंने बताया कि अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने ईमेल के जरिए इस दौरे की पुष्टि कर दी है। मेसी के भारत आने की खबर के बाद फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर केरल में, जहां दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल और अर्जेंटीना टीम के लिए गहरी दीवानगी है। यहां मेसी की लोकप्रियता बेहद ज्यादा है और अब राज्य उस ऐतिहासिक क्षण की तैयारियों में जुट गया है, जिसे प्रशंसक अपने 'सपनों के सच होने' जैसा मान रहे हैं। 2022 में फीफा विश्व कप जीतने के बाद अर्जेंटीना ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खासतौर पर केरल के फुटबॉल फैंस को धन्यवाद भी दिया था। अब इस दोस्ताना मुकाबले की तैयारियां भी तेज हो चुकी हैं। केरल फुटबॉल संघ (केएफए) और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) मिलकर आयोजन स्थल और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। संभावना जताई जा रही है कि यह मुकाबला तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच अर्जेंटीना के लिए 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर से पहले की तैयारी का हिस्सा होगा। उम्मीद है कि मेसी टीम की कप्तानी करेंगे, हालांकि टीम की अंतिम सूची की घोषणा मुकाबले की तारीख नजदीक आने पर ही की जाएगी। राज्य सरकार सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आतिथ्य सत्कार को लेकर विशेष इंतजाम करने की योजना बना रही है। पर्यटन विभाग का मानना है कि मेसी के भारत दौरे से केरल की अंतरराष्ट्रीय पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी और देश-दुनिया से प्रशंसक व पर्यटक यहां आकर्षित होंगे। केरल सरकार ने इस दोस्ताना मैच के लिए विशेष रूप से अर्जेंटीना टीम को आमंत्रण भेजा था और अब यह आयोजन राज्य के लिए गौरव और ऐतिहासिक अवसर बन गया है।

# इंडिया-ए की राघवी और जोशीथा ने खेली धुंआधर पारी, गेंदबाजों ने किया कमाल

**-टेस्ट के दूसरे दिन मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट खोकर 158 रन बनाए**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज राघवी बिष्ट ने 93 रन की पारी खेली, जबकि निचले क्रम की बल्लेबाज वीजे जोशीथा (51) ने अंत में शानदार अर्धशतक लगाया, जिससे इंडिया-ए ने शुक्रवार को एकमात्र महिला अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ पहली पारी में 299 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। इसके बाद इंडिया-ए ने दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया-ए के 158 रन तक पांच विकेट गिरा दिए थे। इंडिया-ए की टीम बारिश के कारण पहले दिन पांच विकेट पर 93 रन बनाकर मुश्किल में पड़ गई थी, लेकिन बिष्ट ने 26 रन के स्कोर से आगे खेलते हुए राधा यादव के 33 रन के साथ छठे विकेट के लिए 64 रन की भागीदारी की। इसके बाद उन्होंने मीनू मणि के साथ 28 रन के साथ 75 रन की साझेदारी कर भारत को उबारा। निचले बल्लेबाजों के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाली बिष्ट ने 153 गेंद की अपनी पारी में 16 चौके लगाए, लेकिन शतक बनाने से महज सात रन से चूक गईं।

मध्यम गति की गेंदबाज मैटलन ब्राउन ने 63वें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। मणि को भी जल्द ही ब्राउन ने पवेलियन भेज दिया, लेकिन जोशीथा और टिटास साधु (23) ने हार नहीं मानी और नौवें विकेट के लिए 75 रन की अहम साझेदारी करके इंडिया-ए को 300 रन के करीब पहुंचाया। ऑफ स्पिनर लिली मिल्स ने जोशीथा को बोल्ड किया। इस भारतीय बल्लेबाज ने 72 गेंद की पारी में सात चौके लगाए। ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए मध्यम गति की गेंदबाज जॉर्जिया प्रेस्टविज ने 37 रन देकर और ब्राउन ने 65 रन देकर तीन तीन विकेट झटके।

जवाब में ऑस्ट्रेलिया-ए टीम 43 ओवर में 158 रन पर पांच विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। भारत-ए के लिए मध्यम गति की गेंदबाज साइमा ठाकोर ने 21 रन देकर दो विकेट और बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने 40 रन देकर दो विकेट लिए जबकि साधु ने 27 रन देकर एक विकेट झटका। कप्तान तहलिला विल्सन ने 49 रन बनाए और रशेल ट्रेनमैन (21) के साथ पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े। स्टंप उखड़ने तक विकेटकीपर निकोल फाल्टम 30 और सियाना जिंजर 24 रन बनाकर क्रीज पर जमी हुई थीं।

# दबंग दिल्ली के कप्तान बने रहेंगे आशु मलिक

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग का 12 सत्र इस माह 29 अगस्त से शुरु होने जा रहा है। इस सत्र के लिए दबंग दिल्ली केसी ने आशु मलिक को अपनी टीम का कप्तान बनाये रखा है। दबंग दिल्ली के अनुसार मलिक का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है और हर सत्र के साथ ही उनकी कप्तानी में भी निखार आया है। उनके जुझारु रवैये से प्रभावित होकर ही उन्हें एक बार फिर कप्तानी सौंपी गयी है। ही मलिक ने पिछले साल काफी अच्छा शानदार प्रदर्शन किया था। बतौर खिलाड़ी और कप्तान के तौर पर इस खिलाड़ी ने टीम की ओर से महत्तपूर्ण भूमिका निभाई थी। दिल्ली केसी के मुख्य कार्यकारी ने कहा कि से सत्र सीजन हमारे लिए काफी विशेष है। हम लगातार 6 प्लेऑफ प्रदर्शनों से आगे बढ़ते हुए एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं। इसके लिए हमारे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इसके साथ ही मजबूत नेतृत्व की भी आवश्यकता है जिसमें मलिक पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने लचीलापन, परिपक्वता और टीम को प्रेरित करने की क्षमता दिखाई है। उनके नेतृत्व में हमें ट्रॉफी जीतने का पूरा भरोसा है। वहीं कोच जोगिंदर नरवाल ने कहा कि कप्तान लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और एक मजबूत नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे हैं। मुझे भरोसा है कि इस साल फिर से टीम का मार्गदर्शन करेंगे। हमारा लक्ष्य प्लेऑफ से आगे बढ़ते हुए खिताब के लिए बढ़ना है।

# पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश का गौतम गंभीर पर निशाना, लगाए पक्षपात के आरोप

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में गौतम गंभीर की नियुक्ति के बाद से ही लगातार टीम इंडिया में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज स्तंभ रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के संन्यास लेने के बाद गंभीर की नीतियों को लेकर लगातार चर्चा हो रही है। जहां कुछ लोग उनके फैसलों का समर्थन करते हैं, वहीं कई पूर्व खिलाड़ी उनके कामकाज पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अब इस लिस्ट में टीम इंडिया के पूर्व ओपनर सदागोपन रमेश का नाम भी जुड़ गया है।

रमेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर गौतम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह सिर्फ उन्हीं खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जो उन्हें पसंद हैं। उन्होंने कहा, 'गौतम गंभीर जिन खिलाड़ियों को पसंद करते हैं, उनका समर्थन करते हैं और जिन्हें पसंद नहीं करते, उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं।'' रमेश ने यह भी जोड़ा कि इस तरह का रवैया टीम संतुलन और खिलाड़ियों के आत्मविश्वास के लिए सही नहीं है।

हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। इस परिणाम को लेकर रमेश की अलग राय है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड में ड्रॉ सीरीज को बड़ी उपलब्धि की तरह दिखाया जा रहा है, लेकिन असल में यह इसलिए खास लग रही है क्योंकि पिछले साल टेस्ट क्रिकेट में हमारा प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। विदेशी धरती पर जीत की शुरुआत पहले ही विराट कोहली और रवि शास्त्री के समय हो चुकी थी। ऐसे में ड्रॉ सीरीज को गंभीर के ट्रैक रिकॉर्ड में उपलब्धि के रूप में गिनना सही नहीं है।'

रमेश ने टीम चयन पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एशिया कप 2025 के लिए श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया जाना चाहिए था। रमेश के अनुसार, 'श्रेयस अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन गंभीर उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी, जो टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं, उन्हें सभी फॉर्मेट में मौका मिलना चाहिए। उन्हें सिर्फ स्टैंडबाय में रखना एक गलत कदम है।'

गंभीर की कोचिंग पर उठे ये सवाल टीम इंडिया के मौजूदा माहौल और चयन नीतियों पर

गहरी बहस छेड़ सकते हैं। जहां एक ओर गंभीर के समर्थक उन्हें टीम में नए प्रयोग और आक्रामक सोच लाने वाला मानते हैं, वहीं आलोचकों का कहना है कि उनके फैसले कई बार पक्षपात से प्रभावित नजर आते हैं।

## कांतारा चैप्टर 1 में अहम भूमिका निभाएंगे गुलशन देवैया

ऋषभ शेट्टी की साल 2022 में आई फिल्म कांतारा ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर प्रदर्शन किया। दर्शकों को फिल्म खूब पसंद आई। अब इस फिल्म का प्रीक्वल आ रहा है। फिल्म कांतारा चैप्टर 1 को लेकर दर्शक उत्साहित हैं। इस फिल्म में एक्टर गुलशन देवैया की एंट्री हो गई है। आज मंगलवार को मेकर्स ने एक्टर का लुक रिवील किया है। होम्बले फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें गुलशन देवैया का लुक रिवील किया गया है। गुलशन देवेया कुलशेखर की भूमिका अदा करेंगे। जारी किए गए पोस्टर में वे दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। उनके सिर पर मुकुट सजा है और किसी राजा की वेशभूषा में वे सिंहासन पर विराजमान हैं। पोस्टर हिंदी, अंग्रेजी के अलावा अन्य साउथ भाषाओं में भी रिलीज किया गया है।

### नेटिजन्स ने जताई खुशी

गुलशन दैवेया के लुक पर नेटिजन्स की जबर्दस्त प्रतिक्रिया आ रही है। गुलशन को देख फिल्म के प्रति दर्शकों का एक्साइटमेंट बढ़ गया है। एक यूजर ने लिखा, अपना गुल्लू, कुलशेखर बनकर छा गया। एक अन्य यूजर ने लिखा है, जबर्दस्त कास्टिंग। एक यूजर ने लिखा, आपको फिल्म का हिस्सा बनते देख खुशी हो रही है।

### कब रिलीज होगी कांतारा

गुलशन दैवेया चर्चित एक्टर हैं। उन्हें शैतान, हेट स्टोरी , गोलियों की रासलीला राम-लीला, कमांडो 3 और बधाई दो जैसी फिल्मों में देखा गया है। अब कांतारा के जरिए वे कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू कर रहे हैं। बात करें फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तो यह 02 अक्तूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कांतारा (2022) बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही है। ऋषभ शेट्टी ने इस फिल्म को लिखा था और डायरेक्ट भी उन्होंने किया था। 2022 में इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

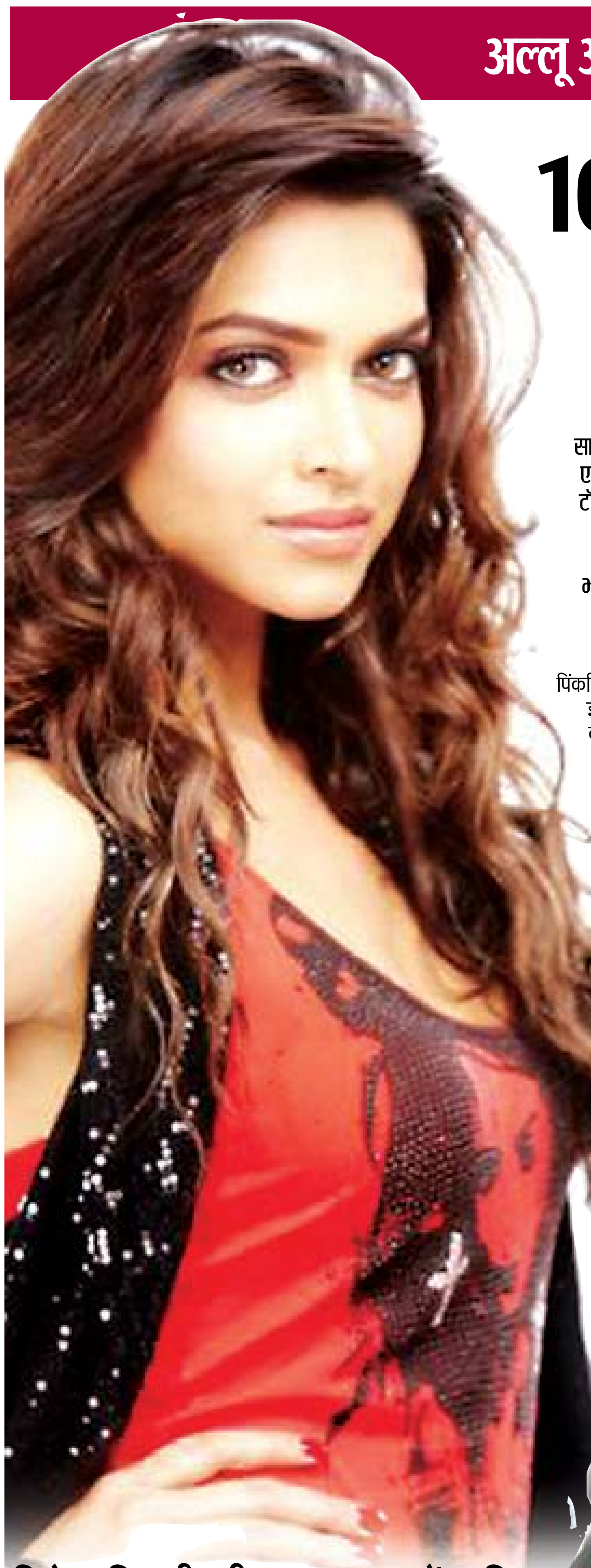

### अल्लू अर्जुन और एटली की फिल्म पर आया अपडेट

# 100 दिन तक शूटिंग करेंगी दीपिका

**साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली की अपकमिंग फिल्म में बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं। फिल्म एक पैरेलल यूनिवर्स पर आधारित कहानी होगी, जो भारतीय सिनेमा के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव साबित हो सकती है।**

### नवंबर से दीपिका करेंगी शूटिंग

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक दीपिका पादुकोण इस प्रोजेक्ट की शूटिंग नवंबर 2025 से शुरू करेंगी। खास बात यह है कि वो लगभग 100 दिनों तक लगातार शूटिंग में व्यस्त रहेंगी। दीपिका इस फिल्म में एक योद्धा का किरदार निभाने वाली हैं, जिसके लिए उनका लुक और हथियार विशेष रूप से डिजाइन किए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, दर्शक ऐसे अवतार में दीपिका दिखेंगी जो पहले कभी पर्दे पर नहीं देखा गया। इस किरदार में भरपूर एक्शन, इमोशनल और ड्रामेटिक सीन शामिल होंगे।

### फिल्म की स्टारकास्ट

इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन के अलावा इसमें रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर जैसी लोकप्रिय अभिनेत्रियां भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

### दीपिका का वर्कफ्रंट

दीपिका पादुकोण फिलहाल इंडस्ट्री की सबसे बिजी अभिनेत्रियों में से एक हैं। वो अक्टूबर 2025 में शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। हाल ही में उन्होंने द इंटरन के हिंदी रीमेक से अलग होकर सुर्खियां बटोरी थीं और अब वह प्रोडक्शन की ओर भी अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

### अल्लू अर्जुन का ट्रिपल रोल

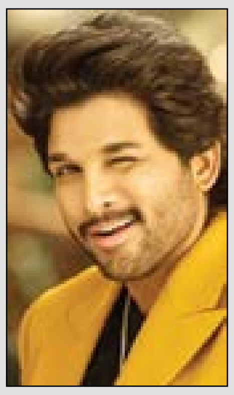

फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि अल्लू अर्जुन इसमें तीन अलग-अलग किरदार निभाने जा रहे हैं। हर किरदार की अपनी एक पहचान और लुक होगा। बताया जा रहा है कि यह फिल्म दो अलग-अलग दुनियाओं में सेट है, जिनमें से एक पैरेलल यूनिवर्स है। इसका स्केल हॉलीवुड की अवतार जैसी फिल्मों की याद दिलाएगा। अल्लू अर्जुन इस प्रोजेक्ट को लेकर इतने गंभीर हैं कि उन्होंने अपने बाकी सभी कमिटमेंट्स किनारे रख दिए हैं और पूरी तरह से फिल्म पर फोकस कर रहे हैं।

## नितेश तिवारी की 'रामायण' में अमित सियाल निभाएंगे सुग्रीव की भूमिका

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण के एक-एक अपडेट का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। सबसे ज्यादा फिल्म के किरदारों को लेकर दर्शक उत्साहित हैं। मिली जानकारी के मुताबिक रामायाण फिल्म में अमित सियाल सुग्रीव का किरदार निभा रहे हैं।

महाकाव्य रामायण में वानर राज सुग्रीव एक बहुत ही महत्वपूर्ण पात्र हैं, जो बाली के छोटे भाई हैं। रणबीर कपूर अभिनीत रामायण फिल्म में सुग्रीव की भूमिका टैलेंटेड एक्टर अमित सियाल निभाएंगे। ये जानकारी अमर उजाला को मिली है। अब दर्शकों को मेकर्स द्वारा इसके आधिकारिक एलान का इंतजार है। आपको बताते चलें कि इससे पहले कहा जा रहा था कि अमित सियाल बाली की भूमिका निभाते दिखेंगे। हालांकि, अब यह साफ हो गया है कि अभिनेता सुग्रीव का ही किरदार निभा रहे हैं। अमित ने रामायण फिल्म में कुछ हिस्सों की शूटिंग भी कर ली है। अभिनेता को वानर राज सुग्रीव की भूमिका में देखना दर्शकों के लिए रोमांचक अनुभव होने वाला है।

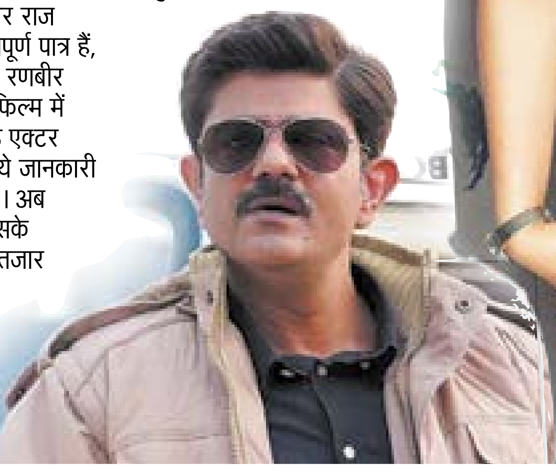

## मौके का इंतजार करने के बजाय खुद मौके बनाने का फैसला किया

हुमा कुरैशी और उनके भाई साकिब सलीम जल्द ही अपनी पहली प्रोडक्शन फिल्म बेबी डू डाई डू रिलीज करने वाली हैं। अभिनय के अलावा, दोनों ने अब निर्माता बनने का फैसला किया है ताकि वे अच्छी कहानियों को खुद चुन सकें और उन्हें दर्शकों तक पहुंचा सकें।

एक खबर के मुताबिक, हुमा का कहना है कि अभिनेत्री के तौर पर उन्हें हमेशा दूसरों के चुने हुए रोल पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे उनमें निराशा थी, क्योंकि वे और भी बहुत कुछ कर सकती थीं। इसीलिए उन्होंने और साकिब ने खुद कहानियां बनाने का फैसला किया। उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म जल्द रिलीज होगी और इसके बाद हुमा एक इन्वेस्टिगेटिव फिल्म बयान में नजर आएंगी।

### क्या नया करना चाहती हैं हुमा

39 साल की हुमा ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। इस लिस्ट में गैंग्स ऑफ वासेपुर, डेढ़ इश्किया और जॉली एलएलबी 2 जैसी फिल्में शामिल हैं। अब वह नई और अच्छी कहानियां लाना चाहती हैं। वे कहती हैं कि उन्होंने और साकिब ने दूसरों के मौके का इंतजार करने के बजाय खुद मौके बनाने का फैसला किया। वे अपने प्रोडक्शन हाउस को ऐसा बनाना चाहती हैं, जहां नए चेहरों को मौका मिले और काम का माहौल बेहतर हो। हुमा का कहना है कि वे दूसरों की गलतियों को नहीं दोहराएंगी। भविष्य में वे बड़ी फिल्में बनाना चाहेंगी, लेकिन नए टैलेंट को मौका देने की कीमत पर नहीं।

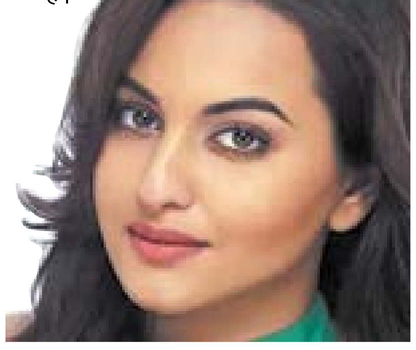

## सोनाक्षी के टैलेंट का पूरा इस्तेमाल नहीं हुआ

बॉलीवुड की दमदार अदाकारा सोनाक्षी सिन्हा की कुछ समय पहले रिलीज हुई फिल्म निकिता रॉय बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर पाई। हाल ही में उनके भाई और डायरेक्टर कुश सिन्हा ने बहन के करियर और उनकी क्षमता को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सोनाक्षी में अपार टैलेंट है, लेकिन इंडस्ट्री में कई बार उनकी असली क्षमता को सही तरीके से सामने नहीं लाया गया। कुश सिन्हा ने हालिया इंटरव्यू में कहा है कि उन्होंने हमेशा सोनाक्षी को एक अदाकारा के रूप में अलग नजरिए से देखा है। भाई होने के साथ-साथ एक दर्शक के तौर पर भी उन्होंने महसूस किया कि सोनाक्षी को वो मौके नहीं मिले जिनसे उनकी पूरी रेंज सामने आती। उन्होंने याद दिलाया कि लुटेरा और अकीरा जैसी फिल्मों में सोनाक्षी ने यह साबित किया कि वो सिर्फ कमर्शियल फिल्मों की हीरोइन नहीं बल्कि एक गंभीर और परिपक्व अभिनेत्री भी हैं। कुश ने इस बातचीत में यह भी कहा कि फिल्मकार कई बार सितारों को उनकी सीमाओं से आगे धकेलने से हिचकिचाते हैं। इसका नुकसान कलाकारों को होता है क्योंकि उनकी असली प्रतिभा पर्दे पर पूरी तरह से सामने नहीं आ पाती। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि कलाकारों की अपनी पसंद भी बहुत मायने रखती है। कई बार कागज पर शानदार लगने वाला किरदार शूटिंग के दौरान उतना असरदार साबित नहीं होता।

### सही चुनाव से बनता है करियर

कुश का मानना है कि इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए फिल्मों का चुनाव बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार अभिनेता कुछ प्रोजेक्ट्स चुन लेते हैं जो बाद में उतने प्रभावी साबित नहीं होते। वहीं, कभी-कभी उम्मीद से कहीं ज्यादा शानदार नतीजे भी मिल जाते हैं। यही इस इंडस्ट्री की अनिश्चितता है।

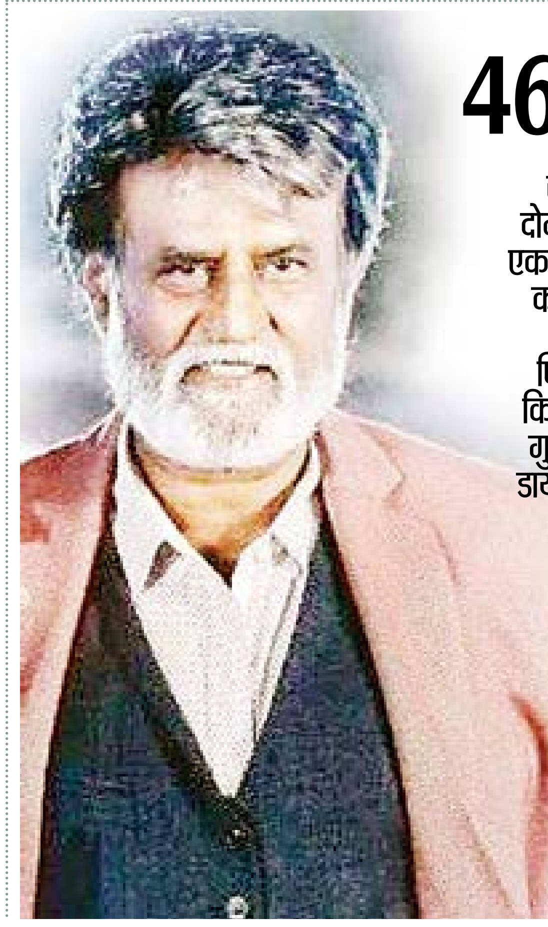

# 46 साल बाद साथ काम करेंगे रजनीकांत-कमल हासन

**रजनीकांत और कमल हासन दोनों ही साउथ के सुपरस्टार्स हैं। एक वक्त था, जब इन्होंने साथ में कई फिल्में की थीं, लेकिन 46 साल से इनकी साथ में कोई फिल्म नहीं आई। अब खबर है कि इनके फैंस को जल्द ही एक गुड न्यूज मिल सकती है। दोनों डायरेक्टर लोकेश कनगराज की फिल्म में नजर आ सकते हैं।**

## गैंगस्टर ड्रामा में एक होगा हीरो तो दूसरा विलेन

साउथ इंडियन सिनेमा के दो बड़े सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन की जोड़ी कई फिल्मों में दिखाई दे चुकी है। इन दोनों स्टार्स को साथ में देखने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं। इस जोड़ी को पिछली बार हिंदी फिल्म गिरफ्तार में देखा गया था। ये साल 1985 में रिलीज हुई थी। अब खबर आई है कि करीब 46 साल बाद ये दोनों साथ में एक फिल्म करने जा रहे हैं। इस फिल्म को डायरेक्ट करेंगे साउथ के बेस्ट डायरेक्टर्स में से एक लोकेश कनगराज। इंडस्ट्री इंसाइडर श्रीधर पिल्लई ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दोनों की एक तस्वीर शेयर करते हुए ये जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दोनों लगभग 46 साल बाद साथ काम करने जा रहे हैं।

### लोकेश ने दोनों सुपरस्टार्स से की थी मुलाकात

इससे पहले खबर आई थी कि कुछ दिनों पहले ही लोकेश कनगराज ने दोनों सुपरस्टार्स से मुलाकात कर फिल्म की स्टोरी बताई थी। इस फिल्म को राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल प्रोड्यूस कर सकता है।

### 14 अगस्त को रिलीज हुई थी कुली

कुली को फिल्म को लोकेश कनगराज ने ही डायरेक्ट किया है। इसमें आमिर खान और नागार्जुन जैसे सितारे भी हैं। यह 14 अगस्त को रिलीज हुई थी। दर्शक इस मूवी को काफी पसंद कर रहे हैं।

### कमल हासन की पिछली फिल्म

वहीं कमल हासन की लास्ट मूवी ठग लाइफ थी। इस फिल्म को मणिरत्नम ने डायरेक्ट किया था। ये एक गैंगस्टर ड्रामा थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं किया था। कमल हासन लोकेश कनकराज के साथ पहले भी काम कर चुके हैं। उनकी मूवी विक्रम उन्होंने ही डायरेक्ट की थी।

### कमल और रजनीकांत की साथ में फिल्में

कमल और रजनीकांत ने अपूर्व रागंगल, अवल अप्पादिथन, 16 वैयाथिनिले, इलामै ऊंजल आदुकिराथु, थिल्लू मुल्लू और निनैथले इनिक्कूम जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

### कमल हीरो तो रजनीकांत होंगे विलेन!

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में कमल हासन हीरो और रजनीकांत विलेन की भूमिका में दिखाई दे सकते हैं। रजनीकांत हाल ही में कमल हासन की बेटी श्रुति हासन के साथ फिल्म कुली में दिखाई दिए थे।

### संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में

# दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल की अध्यक्षता में दमण जिला भाजपा कमेटी की हुई घोषणा

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने जिला कमेटी के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 23 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में दमण स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय पर दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में दमण जिला भाजपा कमेटी की घोषणा की गई। दमण जिला भाजपा कमेटी में कल्पेश सीताराम, किरीट दमणिया, फाल्गुनी टेलर एवं प्रेम भंडारी को उपाध्यक्ष, गणेश भंडारी एवं तिमिर पटेल को महामंत्री, सुनीता हलपति, राजू मनु पटेल, जतीन पटेल, अशोक पटेल एवं तन्वी हर्षद को सचिव, नगीन जरामो को कोषाध्यक्ष, शिवकुमार सिंह को सोशल मीडिया संयोजक और नमिता मिस्त्री को आईटी सेल संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। इस बैठक में विशेष रुप से उपस्थित संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने जिला कमेटी के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ देकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा कोषाध्यक्ष रजनीकांत टंडेल, प्रदेश सचिव उर्वशी पटेल एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के 9 वर्ष सफलतम कार्यकाल के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की दीव भाजपा ने तैयार की रुपरेखा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अगस्त। संघ प्रदेश थ्रीडी प्रशासक प्रफुल पटेल के 9 वर्ष सफलतम कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दीव में भाजपा द्वारा आयोजित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार करने के लिए आज संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमने की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में 9 वर्षों के दौरान प्रदेश में हुए अद्वितीय विकास कार्यों के लिए विकास उत्सव मनाने की भाजपा द्वारा योजना तैयार की गई। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में भाजपा के प्रदेश, मंडल, बूथ स्तर के पदाधिकारियों, कार्यककर्ताओं एवं चुने हुए जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। संघ प्रदेश थ्रीडी में प्रशासक प्रफुल पटेल के 9 वर्ष सफलतम कार्यकाल के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की दीव भाजपा ने तैयार की रुपरेखा असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 23 अगस्त। संघ प्रदेश थ्रीडी प्रशासक प्रफुल पटेल के 9 वर्ष सफलतम कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दीव में भाजपा द्वारा आयोजित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रुपरेखा तैयार करने के लिए आज संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमने की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में 9 वर्षों के दौरान प्रदेश में हुए अद्वितीय विकास कार्यों के लिए विकास उत्सव मनाने की भाजपा द्वारा योजना तैयार की गई। इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में भाजपा के प्रदेश, मंडल, बूथ स्तर के पदाधिकारियों, कार्यककर्ताओं एवं चुने हुए जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

# संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा कमेटी की हुई घोषणा

■ सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रधान की अध्यक्षता में सिलवासा अटल भवन पर हुए कार्यक्रम में संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने विशेष रुप से उपस्थित रहकर जिला कमेटी के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रधान की अध्यक्षता में सिलवासा अटल भवन पर आयोजित कार्यक्रम में सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा कमेटी की घोषणा की गई। जिसमें राजेश जाबर, मयूरी पटेल, पियूषसिंह गोहिल, प्रमोद कुमार सिंह को उपाध्यक्ष, इंद्रवदन पटेल एवं विष्णु वरठा को महामंत्री, अश्विन पटेल, जयंती पटेल, बाबन महाला, मीणाबेन वरठा, तेजल राजेश गिम्भल को सचिव, राकेश शाह को कोषाध्यक्ष, प्रफुल पटेल एवं जसवंती मोहनकर को सोशल मीडिया संयोजक तथा प्रफुल कुलश्रेष्ठा को आईटी सेल संयोजक नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल ने विशेष रुप से उपस्थित रहकर सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा कमेटी के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ देकर शुभकामनाएं दी। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा महामंत्री सुनील पाटिल, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जीतू माढ़ा, धर्मेशसिंह चौहाण एवं भारती हलपति, प्रदेश सचिव द्वारिकानाथ पांडे सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# दानह में जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता का हुआ सफल आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव शिक्षा विभाग द्वारा समग्र शिक्षा अंतर्गत जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतिवर्ष शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के दिशानिर्देश अनुसार कला उत्सव की प्रतियोगिता का आयोजन विभिन्न स्तरों पर होता है। इसी क्रम में 21 और 22 अगस्त को कला उत्सव 2025 की जिला स्तरीय प्रतियोगिता का दादरा नगर हवेली जिले की विभिन्न माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए कला केंद्र के ऑडिटोरियम में आयोजन किया गया। विकसित भारत मुख्य विषय पर आधारित दो दिवसीय कला उत्सव प्रतियोगिता के आयोजन में विभिन्न विद्यालयों के कलाकारों ने संगीत, नृत्य, नाट्य, कहानियां एवं दृश्य कला जैसी विभिन्न प्रतियोगिता में अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कला उत्सव प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों में निहित कला प्रतिभा का संवर्धन करना है। कला उत्सव प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज सभी सहभागी विजेताओं को सहायक शिक्षा निदेशक परितोष शुक्ल, शिक्षा अधिकारी बलवंत पाटील, शिक्षा अधिकारी गौरांग वोरा तथा शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र मोहिले के कर-कमलों द्वारा ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। सहायक शिक्षा निदेशक ने जिला स्तरीय कला उत्सव की प्रतियोगिता में विजेता कलाकारों को संघ स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। जिला स्तरीय कला उत्सव की प्रतियोगिता में विजेता कलाकार अब संघ स्तरीय कला उत्सव की प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे, उसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कलाकार को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। जिला स्तरीय कला उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन शिक्षा सचिव एवं शिक्षा निदेशक के सफल मार्गदर्शन में हुआ।

# आईएसटीडी सिलवासा चैप्टर ने मानव संसाधन में उद्यमशीलता की मानसिकता विषय पर लर्निंग सेशन का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नटेवर्क, सिलवासा 23 अगस्त। आईएसटीडी सिलवासा चैप्टर ने लायंस स्कूल ऑडिटोरियम में एचआर प्रोफेशनल्स एवं स्कूल शिक्षकों के लिए एक विशेष लर्निंग सेशन मानव संसाधन में उद्यमशीलता की मानसिकता का सफल आयोजन किया। इस सत्र के वक्ता नदीम सिद्दीकी ने अत्यंत सरल एवं प्रभावशाली तरीके से विषय को प्रस्तुत किया। उन्होंने बदलते दौर में एचआर प्रोफेशनल्स तथा शिक्षकों के लिए उद्यमशील मानसिकता (Entrepreneurial Mindset) अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला तथा यह समझाया कि किस प्रकार प्रोफेशनल्स निरंतर स्वयं को अपडेट करके भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में कुल 62 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम में पी.के. जाडिया, आईएसटीडी चेयरमैन प्रदीप्त आचार्य, उपाध्यक्ष विवेकानंद उपासनी, सविच अजीत कुमार ओझा, कोषाध्यक्ष राकेश झा, सिमा से परेश गज्जर विशेष रूप से उपस्थित रहे। आईएसटीडी सिलवासा चैप्टर प्रतिमाह ऐसे लर्निंग सेशंस का आयोजन करता है, जिनसे बड़ी संख्या में प्रोफेशनल्स को लाभ मिल रहा है।

# आमली की भगवती इंटरप्राइजेज के गोदाम से लगभग 14 लाख रूपये के सिगरेट की चोरी

■ सीसीटीवी फुटेज में तीन चोरों द्वारा गोदाम का शटर तोड़कर सिगरेट चोरी कर ले जाते हुए वीडियो हुआ है रिकॉर्ड ■ चोरों ने सिगरेट के अलावा किसी दूसरी वस्तु को हाथ तक नहीं लगाया ■ भगवती इंटरप्राइजेज आईटीसी कंपनी से निर्मित वस्तुओं का ट्रेडिंग करती है

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 23 अगस्त। दादरा नगर हवेली के सिलवासा-आमली विस्तार में गोपीनाथ क्लासेस के पीछे भगवती इंटरप्राइजेज नामक गोदाम में बीती रात चोरों ने शटर तोड़कर लगभग 14 लाख रूपये की कीमत वाले विभिन्न ब्रांड के सिगरेट चुरा कर ले गए। जब सुबह भगवती इंटरप्राइजेज के मालिक किरीटभाई और वर्कर गोदाम पहुंचे तो पाया गया की शटर टूटा हुआ है। सीसीटीवी कैमरा चेक करने के बाद पता चला कि चोरों ने शटर तोड़कर विभिन्न ब्रांड वाले सारे सिगरेट चुरा कर ले गए, जिसकी कीमत लगभग 14 लाख रूपये बताई गई है। पुलिस ने घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस और दूसरे सबूत एकत्रित किया और इस मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आईटीसी कंपनी के निर्माता उत्पाद को बेचने वाले किरीटभाई ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में यह तीसरी वारदात है। इसके पहले सिगरेट चुराने वाले तस्करों ने वलसाड और सूरत में भी आईटीसी के गोदाम से सिर्फ सिगरेट की चोरी को अंजाम दिया था और यह घटना उनके यहां भी घटित हुई है। अब यह पुलिस के जांच का विषय है कि इस मामले में क्या वहीं लोग जिम्मेदार हैं जो सूरत और वलसाड में ऐसी घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)